RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 91 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 26-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया फिर खेलने को लेकर अनिश्चितता जताई

6 डीएसपी हुमायूं मुज्जमिल भट्ट : हर आतंकी साजिश को नाकाम करेंगे भारत मां के ऐसे बेटे

7 सिंगल मदर होना आसान नहीं : शुभांगी अत्रे

फर्स्ट टेक

बंगाल की खाड़ी में दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में तब्दील होगा

अमरावती/भुवनेश्वर/भाषा। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना दबाव का क्षेत्र पश्चिम की ओर बढ़ गया है और इसके गहरे दबाव में तब्दील होने तथा आगे चलकर इसके चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं। इस दबाव के क्षेत्र के 26 अक्टूबर तक गहरे अवदाब में तब्दील होने तथा 27 अक्टूबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम और समीपवर्ती पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान के रूप में परिवर्तित होने की संभावना है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर बना अवदाब आज पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे उसी क्षेत्र के ऊपर केंद्रित था... इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 26 अक्टूबर तक गहरे अवदाब में और 27 अक्टूबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम व समीपवर्ती पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होने की संभावना है।

थाईलैंड की राजमाता सिरीकित का निधन

बैंकॉक/भाषा। थाईलैंड की राजमाता सिरीकित का शुक्रवार को किंग चुलालोंगकोर्न मेमोरियल अस्पताल में निधन हो गया। वह 93 वर्ष की थी। शाही परिवार के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय ने एक आधिकारिक घोषणा में कहा कि डॉक्टरों की एक टीम सात सितंबर, 2019 से अस्पताल में राजमाता के स्वास्थ्य की निगरानी और उपचार कर रही थी, ने पाया कि वह कई शारीरिक प्रणालियों में कई बीमारियों और असामान्यताओं से पीड़ित थीं, जिसके लिए निरंतर चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता थी। चिकित्सकों के अनुसार राजमाता को 17 अक्टूबर, 2025 को रक्तप्रवाह में संक्रमण हो गया था और अथक प्रयासों के बावजूद उनकी हालत धीरे-धीरे बिगड़ती गई और कल रात 9:21 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न फ्रा वजीराक्लाओचाओयुहुआ ने राजमाता के शाही अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

सूर्यास्त 25-10-2025	सूर्योदय 26-10-2025
5:55 बजे	6:12 बजे

BSE	NSE
84,211.88	25,795.15
(-344.52)	(-96.25)

सोना	चांदी
13,446 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	148,678 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कर्जा माफी

लोकतंत्र का मालिक नेता,
वोटों के खातिर गरजा।
माफी देंगे हम कृषकों को,
होगा ना कोई हर्जा।
पर है सच्चा कौन कृषक,
जिसको देओगे यह दर्जा।
जिनके ऋणदाता साहुकार,
कैसे उनका उतरे कर्जा।।

विरोध प्रदर्शन

धारवाड़ ज़िले और अन्य इलाकों के किसानों ने शनिवार को हुबली स्थित एपीएमसी कार्यालय के सामने प्याज़ की फ़सलें ज़मीन पर फेंककर समर्थन मूल्य की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

हरित और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए सामूहिक चेतना की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पर्यावरण संरक्षण के लिए नए संकल्प की आवश्यकता पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए सामूहिक चेतना और ज़िम्मेदारी से जीवन जीना आवश्यक है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारतीय परंपराओं, धर्मग्रंथों और लोक कथाओं में मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य पर ज़ोर दिया गया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि भारत में बच्चों को बचपन से ही प्रकृति के साथ तालमेल रखना सिखाया जाता है, जो पर्यावरण चेतना और भारतीय जीवनशैली के बीच स्थायी सांस्कृतिक और नैतिक संबंध को दर्शाता है। बिरला ने कहा कि मानवीय गतिविधियां पारिस्थितिकी असंतुलन का प्रमुख कारण रही हैं।

■ प्रत्येक नागरिक की यह ज़िम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि प्रगति और स्थिरता साथ-साथ चलें।

कोविड-19 महामारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब मानवीय गतिविधियां रुकीं, तो प्रकृति ने स्वयं को स्वस्थ करना शुरू कर दिया – नदियां स्वच्छ हो गईं, वायु की गुणवत्ता में सुधार हुआ और वनों में जीवन फलने-फूलने लगा। उन्होंने कहा कि यह इस बात का स्मरण कराता है कि सतत जीवन कितना आवश्यक है।

उन्होंने कहा, ''एक राष्ट्र के रूप में भारत को भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए नवसंकल्प के साथ एकजुट होना चाहिए।''

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की यह ज़िम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि प्रगति और स्थिरता साथ-साथ चलें। उन्होंने कहा कि एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए सामूहिक चेतना और ज़िम्मेदारी से जीवन जीना आवश्यक है।

तेजी से डिजिटलीकरण के बीच

पारंपरिक मीडिया को बचाने के लिए काम कर रही है सरकार : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने पारंपरिक मीडिया को इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण के कारण होने वाले व्यवधानों से बचाने के लिए कई पहलों की योजना बनाई है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि सरकार रेडियो उद्योग में नियामकीय अड़चनों को दूर करने और टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (टीआरपी) में सुधार लाने की योजना बना रही है। मंत्री ने यहां संवाददाताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत में कहा, सरकार जहां भी नियामक बाधाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए काम कर रही है।

वैष्णव ने कहा कि मंत्रालय टेलीविजन रेटिंग प्रणाली में सुधार के तरीकों पर विचार कर रहा है, ताकि सरकारी विज्ञापनों से टेलीविजन चैनलों को उचित राजस्व प्राप्त हो सके।

मंत्री ने कहा, टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (टीआरपी) दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। परामर्श का पहला दौर पूरा हो चुका है, फीडबैक प्राप्त हो चुका है और दूसरा परामर्श पत्र जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। सरकार प्रिंट और टेलीविजन मीडिया के लिए विज्ञापन दरें बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। वैष्णव ने कहा कि सरकार मीडिया संपर्क और नियामक कार्यों में समन्वय को बेहतर बनाने के लिए भारत के प्रेस महापंजीयक (आरएनआई), केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) और पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के एकीकरण पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पीआईबी ने अपने संपर्क प्रयासों को तेज कर दिया है, तथा प्रमुख विषयों पर नियमित रूप से पृष्ठभूमि और शोध-आधारित दस्तावेज जारी कर रहा है।

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने एक आतंकी नेटवर्क के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है और उसके पास से उच्च श्रेणी के आरडीएक्स सहित दो आईईडी और हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए हैं। एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर के कोटला तरखाना गांव का निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी नामक आरोपी विदेश में बैठे अपने आकाओं के निर्देश पर काम कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड है और उसका नाम सदर बटाला एवं कलानौर थानों में दर्ज दो मामलों में शामिल था।

जागरूकता

पशु प्रेमी शनिवार को मैसूर के टाउन हॉल में पशु क्रूरता पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम 'सच का सामना करें' में शामिल हुए।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को जबरन वसूली की गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तारियां शुक्रवार को की गईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के एक उग्रवादी को चुराचंदपुर जिले के ओल्ड गेलमौल में स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, उसके पास से एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

सबरीमला सोना चोरी मामला :

एसआईटी ने बेल्लारी, बेंगलूरु में छापेमारी पूरी की

पथनमथिट्टा/बेंगलूरु। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के बेंगलूरु स्थित अपार्टमेंट और बेल्लारी में एक आभूषण की दुकान पर छापेमारी की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पोट्टी को जांच के तहत शुक्रवार को बेंगलूरु ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने गोवर्धन की आभूषण की दुकान पर छापा मारा, जिसने मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) की चौखट पर सोने की परत चढ़ाने के काम के लिए कथित तौर पर धन दिया था व आधिकारिक तौर पर इस काम को पोट्टी ने वित्तपोषित किया था। अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी ने आभूषण की दुकान से सोने की कई ईंट जब्त की हैं।

विस्फोट

बेंगलूरु के केआर पुरम स्थित एक घर में शनिवार सुबह संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में एक बुजुर्ग महिला अक्कयम्मा की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। विस्फोट से आसपास के तीन घर भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

रांची में बस में लगी आग, 40 से अधिक यात्री बाल-बाल बचे

रांची/भाषा। झारखंड के रांची में शनिवार शाम एक चलती बस में आग लग गयी हालांकि इस घटना में 40 से ज्यादा यात्री बाल-बाल बच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रांची-लोहरदगा राजमार्ग पर उस समय हुई जब बस राज्य की राजधानी से चतरा की ओर जा रही थी। मांडर थाना प्रभारी मनोज करमाली ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बस में लगभग 45 यात्री सवार थे और मांडर बाजार के पास अचानक बस में आग लग गई। उन्होंने बताया, गनीमत रही कि बस को समय पर रोक लिया गया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल की एक गाड़ी कुछ ही देर में पहुंच गई लेकिन तब तक स्थानीय दुकानदारों ने आग बुझा दी थी। किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई और न ही सामान को कोई बड़ा नुकसान हुआ। अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि आग बैटरी बॉक्स के पास शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और बस में रखे रासायनिक घोल के कारण फैल गई। उन्होंने बताया, बस को थाना परिसर में रखा गया है जबकि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। पुलिस ने बताया कि बस मालिक को तलब किया गया है और उससे अग्निशामक यंत्रों सहित सुरक्षा उपायों की कमी के बारे में पूछताछ की जाएगी। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में शुक्रवार को बेंगलूरु जा रही एक बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई थी।

सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है छठ महापर्व : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु हुए चार दिवसीय छठ महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि सादगी और संयम का प्रतीक यह पर्व सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है।

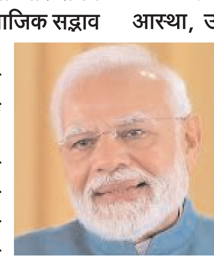

मोदी ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है उसमें पारिवारिक बंधन और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।

विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाये जाने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। उन्होंने कहा, ' मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें।'

मोदी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।

उन्होंने कहा , मेरा सौभाग्य है कि कल ही मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है।

मोदी ने अपनी पोस्ट के साथ छठी मइया के कुछ गीत भी साझा किये हैं और कहा है कि इन्हें सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है।

सहज स्मृति योग

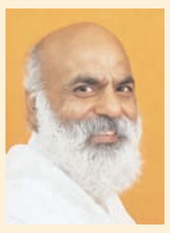

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मेरी जिज्ञासा यह है कि किसी मनुष्य रूप में गुरु के बजाय ईश्वर को बड़ा और सर्वव्यापी मानने से हमारा अहंकार शमित क्यों नहीं हो सकता?

उत्तर: एक वाक्य में कहें तो इसलिए शमित नहीं हो पाता क्योंकि अहंकार की उत्पत्ति 'होने' से है 'मानने' से नहीं । यह तो आप जानते ही हैं कि, 'होने' और 'मानने' में अंतर क्यों बना रहता है? मनुष्य के रूप में जो हमें उदाहरण दिखे उसे ही तो हम गुरु स्वरूप में चुनते हैं। बात समझाने के लिए हम ईश्वर की बात कैसे करें, वह तो अनुभव गम्य है, दिखते हैं क्या किसी को ? इसलिए, ईश्वर की बात तो यहाँ छोड़ ही दें, क्योंकि अनुभव के क्षेत्र की बात समझने-समझाने के लिए उदाहरण की समस्या खड़ी हो जाती है। जो अनुभवगम्य हो उसका उदाहरण तो 'होना' ही संभव है। इसलिए, आकाश का उदाहरण ले लें, जो प्रत्यक्ष हमको, आपको और सबको दिख रहा है कि वह सबसे बड़ा 'है' इसमें तो 'मानने' की भी बाध्यता नहीं है। क्योंकि, सभी इसे समान भाव से जान, पहचान पा रहे हैं पर, आकाश की सतत उपस्थिति का उदाहरण स्वरूप ज्ञान 'होने' से हमारा आपका सबका अहंकार शमित हो पाता है क्या? हो पाता तो मनुष्य के मन में बारंबार यह प्रश्न उठता ही क्यों ? वह उठ रहा है क्योंकि वह अभी शमित नहीं हुआ है। इसलिए कहीं भी, कभी भी अपनी उपस्थिति की झलक दिखलाता ही देता है।

कृषि ऋण माफी के वादे से हम पीछे नहीं हटे : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की रैली में भाषण के दौरान एक व्यक्ति द्वारा बीच में किसानों के मुद्दे को लेकर पूछे गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार किसानों की ऋण माफी के अपने वादे से पीछे नहीं हटी है।

नांदेड़ जिले के उमरी में पार्टी की एक सभा को संबोधित करते समय पवार को वहां मौजूद लोगों में से एक ने रोक दिया तथा कृषि ऋण माफी और सरकार के फैसले के बारे में बोलने की मांग की।

उपमुख्यमंत्री के साथ वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभालने वाले पवार ने विभिन्न योजनाओं पर राज्य सरकार के व्यय का ब्यौरा दिया और स्पष्ट किया कि सरकार ने किसानों के ऋण माफ करने से कभी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए लगभग 32 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए हैं और लाडकी बहिन योजना के लिए 45 हजार करोड़ रुपए निर्धारित हैं। किसानों के बिजली बिल माफ करने के लिए भी सरकार लगभग 23 हजार करोड़ रुपए का भुगतान कर रही है। संजय गांधी निराधार योजना और श्रवण बाल योजना जैसी योजनाएं भी सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं। ऐसे में फैसले सोच-समझकर लेने पड़ते हैं।''

पवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और राकांपा जैसे घटक दलों वाली महायुति सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले कृषि ऋण माफी का वादा किया था और वह अपने आश्वासन पर कायम है। उन्होंने कहा, ''हमने इसे (ऋण माफी को) अस्वीकार नहीं किया है और एक समिति गठित की गई है तथा मैंने इससे संबंधित फाइल देखी है।''

राज्य सरकार ने पिछले महीने बारिश और बाढ़ के कारण भारी नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए 31,628 करोड़ रुपए के मुआवजे पैकेज की घोषणा अक्टूबर की शुरुआत में की थी और कहा था कि वह समय आने पर ऋण माफी की घोषणा करेगी।

भारत में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 11 वर्ष में 387 से बढ़कर 819 हुई : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 वर्ष में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 50वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि इसी तरह स्नातक मेडिकल सीट की संख्या 51,000 से बढ़कर 1.29 लाख और स्नातकोत्तर सीट की संख्या 31,000 से बढ़कर 78,000 हो गई है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर 75,000 अतिरिक्त सीट जुड़ने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्नातक छात्रों को बधाई दी और देश में चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और रोगी देखभाल को आगे बढ़ाने में एम्स के अद्वितीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर 75,000 अतिरिक्त सीट जोड़े जाने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्नातक छात्रों को बधाई दी और देश में चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और रोगी देखभाल को आगे बढ़ाने में एम्स के अद्वितीय योगदान की सराहना की। उन्होंने युवा चिकित्सकों से लोगों की सहानुभूतिपूर्वक सेवा करने, नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और देश की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवाचार का उपयोग करने का आह्वान किया।

नड्डा ने यह भी कहा कि देश ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नमूना पंजीकरण सर्वेक्षण (एसआरएस) के आंकड़ों के अनुसार, मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 130 से घटकर 88 और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 39 से घटकर 27 हो गई है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात शिशु मृत्यु दर (एनएमआर) में भी क्रमशः 42 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। नड्डा ने कहा कि भारत में टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की गिरावट आई है।

राज्यसभा चुनाव पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, अंतिम क्षणों में कुछ लोगों से 'विश्वासघात' का सामना करना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) की तीन सीट पर जीत से किसी को शिकायत नहीं होनी चाहिए, लेकिन शुक्रवार को मतदान के दौरान अंतिम क्षणों में उनकी पार्टी को कुछ लोगों से विश्वासघात का सामना करना पड़ा।

जम्मू कश्मीर के 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद हुए पहले राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने तीन सीट पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा के खाते में एक ही सीट आई। अब्दुल्ला ने यहां गुलदाउदी उद्यान का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से कहा कि चुनाव में भाजपा का समर्थन करने वाले गैर-भाजपा विधायकों में यह साहस होना चाहिए कि वे खुले तौर पर कहें कि उन्होंने उसे चार में से एक सीट जीतने में मदद की। अब्दुल्ला ने कहा, 3-1 के नतीजे पर किसी को कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। हमने इसे 4-0 करने की पूरी कोशिश की, लेकिन जैसा कि मैंने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा था, आखिरी क्षणों में हमें कुछ लोगों से विश्वासघात का सामना करना पड़ा। अब लगभग सभी उन लोगों के नाम जानते हैं जिन्होंने हमारे साथ विश्वासघात किया। मुझे नहीं लगता कि यहां इसे दोहराने की जरूरत है, लेकिन यह अफसोस की बात है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि नेकां के सभी वोट बरकरार रहे और पार्टी उम्मीदवारों को ही मिले।

अदाणी समूह में एलआईसी के निवेश की पीएसी से जांच कराई जाए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा अदाणी समूह में बड़े पैमाने पर किए गए निवेश की संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) को जांच करनी चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की खबर का का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरा मामला पीएससी के जांच अधिकार क्षेत्र में आता है। एलआईसी ने इन आरोपों को झूठ और निराधार करार दिया है। कांग्रेस के आरोपों पर फिलहाल अदाणी समूह या सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पोस्ट किया, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की असली लाभार्थी भारत की आम जनता नहीं, बल्कि मोदी जी के परम मित्र हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या एक आम वेतनभोगी वर्ग का व्यक्ति जो पाई-पाई जोड़कर एलआईसी का प्रीमियम भरता है, उसे ये भी मालूम है कि मोदी जी उसकी ये जमा-पूंजी अदाणी को प्रोत्साहन देने में लगा रहें हैं? क्या ये विश्वासघात नहीं है? लूट नहीं है? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, क्या एलआईसी का पैसा, जो अदाणी की कंपनियों में लगा है और मई, 2025 में 33,000 करोड़ रुपए लगाने की योजना थी, उस पर मोदी सरकार कोई जवाब देगी?

आप ने दी मुख्यमंत्री को यमुना का पानी पीने की चुनौती, भाजपा पर पूर्वांचलियों को गुमराह करने का आरोप

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने छठ पूजा से पहले शनिवार को यमुना के प्रदूषण स्तर को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला तेज करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को यमुना का पानी पीने की चुनौती दी। पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वह यमुना नदी का पानी पीकर अपने दावों को साबित करें कि यमुना साफ हो गई है।

इस आरोप पर दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। भारद्वाज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यमुना जी के पानी में सीवेज डाला जा रहा है और भारतीय जनता पार्टी सरकार के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हुई है।

पूर्वांचल समुदाय के लाखों लोग भाजपा नेताओं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के झूठ तथा धोखे का शिकार होंगे।'' दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रहने वाले बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोगों को पूर्वांचली कहा जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सत्ता में रहते हुए यमुना को साफ करने की आप की योजनाओं में बाधा डाली थी। भारद्वाज ने कहा, ''हमारी सरकार ने यमुना जी को साफ करने की योजना बनाई थी लेकिन भाजपा के उपराज्यपाल ने इसमें हर तरह की बाधाएं खड़ी कीं। अगर रेखा गुप्ता दावा करती हैं कि नदी का पानी साफ है तो उन्हें इसका पानी पीकर दिखाना चाहिए।''

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। शिंदे की प्रधानमंत्री से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब शिवसेना के एक नेता ने पुणे में कुछ जमीन सौदों के सिलसिले में भाजपा के लोकसभा सदस्य और केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल पर निशाना साधा है। मोहोल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। शिंदे ने प्रधानमंत्री मोदी से लगभग 90 मिनट की मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री का हमेशा से मानना रहा है कि राजग और महायुति विकास के एजेंडे पर आधारित वैचारिक गठबंधन हैं। उन्होंने कहा, ''यह दिवाली के अवसर पर एक शिष्टाचार मुलाकात थी। बिहार चुनाव के लिए प्रचार अभियान के दौरान समय देने के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।''

इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में भाग ले रहीं दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का मध्य प्रदेश के इंदौर में कथित तौर पर पीछा किया गया और उनमें से एक के साथ मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ने छेड़छाड़ की। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने खजराना रोड इलाके में बृहस्पतिवार सुबह हुई इस घटना के आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपनिरीक्षक निधि रघुवंशी ने बताया कि दोनों क्रिकेटर अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं, तभी मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। रघुवंशी ने बताया कि उस व्यक्ति ने उनमें से एक क्रिकेटर को कथित तौर पर गलत तरीके से छुआ और भाग गया।

दोनों क्रिकेटर ने अपने टीम सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस से संपर्क किया, जिन्होंने स्थानीय सुरक्षा संपर्क अधिकारियों के साथ समन्वय किया और सहायता के लिए एक वाहन भेजा। सहायक पुलिस आयुक्त हिमानी मिश्रा ने दोनों खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके बयान दर्ज किए। एमआईजी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 (महिला का शील भंग करने के लिए आपराधिक बल का प्रयोग) और धारा 78 (पीछा करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी ने बताया कि राहगीर ने संदिग्ध की मोटरसाइकिल का नंबर नोट कर लिया, जिसके आधार पर आरोपी अकील खान को पकड़ लिया गया।

गुजरात में पुलिस ने 'शराब पार्टी' पर मारा छापा, 13 अफ्रीकियों समेत 20 लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद के बाहरी इलाके में एक फार्महाउस पर छापा मारा और एक पार्टी के दौरान शराब पीने के आरोप में 13 अफ्रीकी नागरिकों समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया तथा बाद में पांच और लोगों को भी पकड़ लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी का कहना है कि शिलाज क्षेत्र में स्थित फार्महाउस पर शुक्रवार देर रात छापेमारी की गयी तथा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लगभग 70 लोगों में 13 अफ्रीकियों समेत 15 लोग नशे में पाए गए जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

अहमदाबाद (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमप्रकाश जाट ने संवाददाताओं को बताया कि दो शराब तस्करों और फार्महाउस मालिक समेत पांच अन्य लोगों को शनिवार तड़के गिरफ्तार किया गया, जिससे इस पार्टी के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 20 हो गई।

मोदी सरकार ने 12 हजार विशेष रेलगाड़ियां चलाने के नाम पर आस्था से खिलवाड़ किया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने त्योहारों के दौरान 12,000 विशेष रेलगाड़ियां चलाने के नाम पर झूठ बोलकर बिहार और राज्य के लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले साबित हुए हैं। उन्होंने यह सवाल भी किया कि 12,000 स्पेशल ट्रेन कहां हैं?

रेल मंत्रालय ने एक अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक निर्धारित 12,011 रेल यात्राओं (रेलगाड़ियों के फेरों) की सूची पिछले दिनों जारी की थी। इसमें बताया गया था कि त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए देश के विभिन्न स्थानों से प्रतिदिन औसतन 196 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। अब तक एक दिन में संचालित विशेष रेलगाड़ियों की सबसे अधिक संख्या 18 अक्टूबर को लगभग 280 थी, जबकि सबसे कम आठ अक्टूबर को लगभग 166 थी। राहुल ने कुछ रेलगाड़ियों में यात्रियों की भीड़ से जुड़े वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, त्योहारों का महीना है - दिवाली, भाईदूज, छठ। बिहार में इन त्योहारों का मतलब सिर्फ आस्था नहीं, घर लौटने की लालसा है - मिट्टी की खुशबू, परिवार का स्नेह, गांव का अपनापन। लेकिन यह लालसा अब एक संघर्ष बन चुकी है। उन्होंने कहा, ''बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं, टिकट मिलना असंभव है और सफर अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों में क्षमता से 200 प्रतिशत तक यात्री सवार हैं - लोग (यात्री) दरवाजों और छतों तक पर लटक कर सफर कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले हैं। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, कहां हैं 12,000 स्पेशल ट्रेनें? क्यों हालात हर साल और बदतर ही होते जाते हैं। क्यों बिहार के लोग हर साल ऐसे अपमानजनक हालात में घर लौटने को मजबूर हैं?

विमान के भीतर पावर बैंक में आग लगने की घटना की डीजीसीए समीक्षा करेगा : नायडू

नई दिल्ली/भाषा। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि पिछले सप्ताह एक घरेलू उड़ान में एक यात्री के पावर बैंक में आग लगने की घटना की विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जांच की जाएगी। दिल्ली हवाई अड्डे पर 19 अक्टूबर को दीमापुर जाने वाले इंडिगो विमान के रनवे पर जाने की प्रक्रिया के दौरान दिल्ली हवाई अड्डे पर एक यात्री के 'पावर बैंक' में आग लग गई और चालक दल के सदस्यों ने आग को बुझा दिया। 'पीटीआई-भाषा' के एक प्रश्न के उत्तर में नायडू ने कहा कि डीजीसीए घटना की समीक्षा करेगा। राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा, ''डीजीसीए इस पर ध्यान देगा और वे घटना की समीक्षा करेंगे...।''

पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास चार किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के अमृतसर और फिरोजपुर जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर अलग-अलग अभियानों में चार किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई। बीएसएफ ने यह जानकारी दी। एक खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में शुक्रवार को बीएसएफ के जवानों ने पंजाब पुलिस के जवानों के साथ मिलकर फिरोजपुर के जल्लोके गांव के निकट एक खेत से 3.248 किलोग्राम वजन की हेरोइन के छह पैकेट बरामद किए। पुलिस ने बताया कि पैकेट पीले रंग के टेप में लिपटे हुए थे, जिससे संकेत मिलता है कि उन्हें ड्रोन से गिराया गया था। दूसरे मामले में, सीसुब (बीएसएफ) के जवानों ने अमृतसर के मुल्लाकोट गांव के पास एक इलाके से 1.080 किग्रा वजन की हेरोइन का एक पैकेट जब्त किया। एक मामले में, अमृतसर के अजनाला में चहरपुर गांव के पास एक खेत से 570 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया गया।

आंध्र बस अग्निकांड: यात्री द्वार से कूदकर भाग निकला था बस का चालक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरनूल/भाषा। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद आग लगने से जलकर खाक हुई बस का चालक यात्री द्वार से कूदकर भाग निकला था, लेकिन वह स्थिति का सही अंदाजा नहीं लगा सका। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई थी। फिलहाल, 42 वर्षीय चालक मिरियाला लक्ष्मैया और सहायक चालक दोनों पुलिस हिरासत में हैं। इस घटना के संबंध में शुक्रवार को ही मामला दर्ज कर लिया गया था।

कुरनूल जिले के चिन्नातेकुरु गांव में एक निजी बस और दोपहिया वाहन के बीच टक्कर होने से बस में सवार 19 यात्रियों और मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई थी। बेंगलूरु जा रही इस बस में 44 यात्री सवार थे और कई लोग आग से बचकर बाहर निकलने में सफल रहे। कुरनूल के पुलिस अधीक्षक विक्रांत पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जैसे ही आग लगी और बस रुकी, वह (लक्ष्मैया) यात्री-द्वार से बाहर कूद गया। वह यह समझ नहीं पाया कि आग कितनी भीषण थी। भीषण आग से बच निकलने के बाद, लक्ष्मैया ने बस के आगे और पीछे वाले पहियों के बीच बने लगेज रैक में सो रहे सहायक चालक को जगाया।

पाटिल ने बताया कि जब उन्हें एहसास हुआ कि वे बस के अंदर नहीं जा सकते, तो दोनों ने मिलकर टायर बदलने वाली लोहे की रॉड से खिड़कियों के शीशे तोड़ने शुरू कर दिए, ताकि कुछ यात्री बाहर निकल सकें। उन्होंने कहा कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने भी बस की खिड़कियों के शीशे तोड़े, जबकि घबराए हुए यात्रियों ने अंदर से भी कई शीशे तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश की। लेकिन आग की लपटें लगातार भड़कती गईं और पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। यह देखकर घबराया लक्ष्मैया मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने उसे शुक्रवार दोपहर कुरनूल से हिरासत में ले लिया। इस दुर्घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। पुलिस ने लक्ष्मैया के खिलाफ लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। उलिंडकोंडा थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(ए) (मानव जीवन को ख़तरे में डालना) और 106(1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अदालत ने किया जासूसी मामले में गिरफ्तार, यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जमानत देने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के हिसार जिले की एक अदालत ने जासूसी के संदेह में मई में गिरफ्तार की गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी और कहा कि इस बात की अधिक आशंका है कि जमानत पर उसके रिहा होने से जांच में बाधा आ सकती है। हिसार पुलिस ने यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' चलाने वाली मल्होत्रा (33) को 16 मई को शासकीय गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। मल्होत्रा वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. परमिंदर कौर की अदालत ने अपने विस्तृत आदेश में मल्होत्रा की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। सत्र अदालत ने 23 अक्टूबर को अपने आदेश में कहा, ''सरकारी गोपनीयता अधिनियम और बीएनएस प्रावधानों के तहत प्रथम दृष्टया काफी गंभीर मामला है, आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से बरामद फोरेंसिक सामग्री, एसएमएसी (मल्टी-एजेंसी सेंटर) खुफिया जानकारी और एक विदेशी अधिकारी के साथ संपर्कों के परिस्थितिजन्य साक्ष्य और संवेदनशील क्षेत्रों में गतिविधियां सामूहिक रूप से इस बारे में अधिक आशंका पैदा करती हैं कि जमानत पर उसकी रिहाई जांच में बाधा डाल सकती है, डिजिटल साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है या यह सार्वजनिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के विपरीत हो सकती है।''

बड़े लोग यातायात जाम की आलोचना के साथ समाधान भी सुझाएं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, बेंगलूरु में यातायात जाम की समस्या को लेकर सभी बड़े लोग ट्वीट कर रहे हैं और आलोचना कर रहे हैं। लेकिन कोई भी यह नहीं बता रहा कि इस समस्या का समाधान क्या है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलूरु के सिटी सिविल कोर्ट परिसर में न्यामित्र सहकारी बैंक रजत जयंती-2025 कार्यक्रम में यह बात कही।

उन्होंने कहा, आपको सकारात्मक रूप से काम करना चाहिए। जब हम सरकार में काम करते हैं, तो सिर्फ़ जनहित याचिकाएँ और ब्लैकमेल ही होता है। बेंगलूरु में आबादी और वाहनों की संख्या बढ़ी है। लेकिन सड़कें वही हैं। हम चाहे जितना भी सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराएँ, लोग अपने परिवार के साथ अपने ही वाहनों में यात्रा करना चाहते हैं। ऐसे में हम शहर में ट्रैफ़िक जाम की समस्या का समाधान कैसे कर सकते हैं? मुंबई और दिल्ली में इतना ट्रैफ़िक जाम होने के बावजूद, कोई इस बारे में बात नहीं करता। सभी बड़े-बड़े लोग ट्वीट करके आलोचना कर रहे हैं। आलोचना करने वालों में से कोई भी यह नहीं बता रहा कि इसका समाधान क्या है। उन्होंने कहा, मैंने यातायात की भीड़भाड़ कम करने के लिए एक सुरंग सड़क बनाने का प्रस्ताव रखा है। हमने 117 किलोमीटर लंबा बेंगलूरु बिज़नेस कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसकी अधिसूचना 2007 में जारी की गई थी और अगर यह तब बन जाता, तो इसकी लागत 2-3 हज़ार करोड़ रुपये होती। लेकिन अब हमें 27 हज़ार करोड़ रुपये की ज़रूरत है।

इसके अलावा, के.जे. जॉर्ज के समय में, जब हमने एक स्टील ब्रिज बनाने का प्रस्ताव रखा था, तो उन्होंने हंगामा मचाकर उसे रोक दिया था। मैंने 120 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर और 44 किलोमीटर लंबे डबल डेकर फ्लाईओवर की योजना बनाई थी। इसके ज़रिए हमने बेंगलूरु के विकास के लिए 1.40 लाख करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्तावित की है। कुछ लोग आलोचना कर रहे हैं कि यह परियोजना पैसे ऐंठने के लिए बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि आलोचना करने वालों को जनता ने अधिकार दे रखे थे। उन्होंने तब कोई योजना क्यों नहीं बनाई? वे मुंबई और दिल्ली में भी सुरंगनुमा सड़कें बना रहे हैं। यहाँ विरोध क्यों हो रहा है, जो है ही नहीं? बेंगलूरु में सड़क चौड़ीकरण नहीं हो सकता। वजह यह है कि किसी भी संपत्ति को छुआ नहीं जा सकता। सभी संपत्तियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। प्रति वर्ग फुट कीमत 2 हज़ार है। उन्होंने समझाते हुए कहा कि नए मुआवज़ा नियमों के अनुसार, दोगुना मुआवज़ा दिया जाना चाहिए। 4 हज़ार रुपये प्रति वर्ग फुट । क्या मुआवज़ा देकर सड़क चौड़ी की जा सकती है? इसलिए, पहले चरण में 45 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए टेंडर आमंत्रित किया गया है क्योंकि सुरंगनुमा सड़क ही एकमात्र विकल्प है। वे इसकी आलोचना कर रहे हैं और इसके खिलाफ जनहित याचिका दायर कर रहे हैं। बेंगलूरु में पिछले 7 सालों से कचरा संग्रहण की अनुमति नहीं है। उन्होंने अदालत में मामला दायर किया है और उसे रोक दिया गया है। वे पिछले आठ सालों से विज्ञापन प्रकाशित करने पर अदालत से स्थगन आदेश ले आए हैं। ऐसी स्थिति में सरकार कैसे काम करे?

उन्होंने कहा, बीडीए में प्लॉट आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित करने हेतु स्थगन आदेश जारी किया गया है। इससे प्रति वर्ष 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। आपको मुकदमा दायर करने वाले पक्षों का मार्गदर्शन करना चाहिए। अगर हम गलत हैं, तो आपको हमें सुधारना चाहिए। हम खुद को सुधार लेंगे। लेकिन जब विकास की बात आती है, तो हमें सही तरीके से सोचना चाहिए। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और प्रेस को मिलकर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं एस.एम. कृष्णा के साथ सहकारिता मंत्री के रूप में यहाँ आया था और न्याय मित्र सहकारी बैंक का उद्घाटन किया था। जिस बैंक का मैंने उद्घाटन किया था, उसके रजत जयंती कार्यक्रम में भाग लेना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। 25 वर्षों तक सफलतापूर्वक और लाभप्रद रूप से लोगों की सेवा करना आसान नहीं है।

हिट एंड रन मामले में कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश शामिल, बेंगलूरु पुलिस जल्द करेगी पूछताछ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

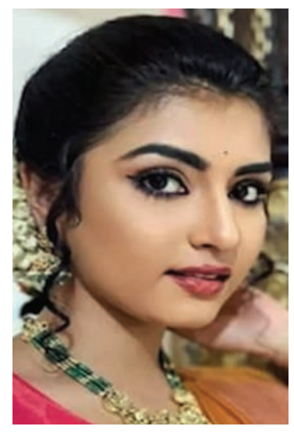

बेंगलूरु । बेंगलूरु के बैयतारायणपुरा इलाके में 4 अक्टूबर को हुई एक हिट-एंड-रन घटना ने सबको चौंका दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस घटना में कन्नड़ अभिनेत्री और बिग बॉस कन्नड़ की कंटेस्टेंट दिव्या सुरेश शामिल थीं। घटना रात करीब डेढ़ बजे हुई थी। इस घटना में तीन लोग घायल हुए। 34 साल की अनीता को गंभीर चोटें आईं, उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। बाइक पर उनके साथ यात्रा कर रहे दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि दिव्या सुरेश इस समय किसी प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, उन्हें जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार बाइक को टक्कर मारकर तेजी से वहां से चली जाती है, जबकि बाइक पर बैठे लोग सड़क पर गिरकर दर्द से चीख रहे थे।

पुलिस ने पुष्टि की है कि कार दिव्या सुरेश चला रही थीं। घटना के गवाहों ने भी उन्हें ड्राइवर के रूप में पहचाना। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की, जिसमें कहा गया कि बैयतारायणपुरा पुलिस स्टेशन की दिशा से आ रही कार और दूसरी दिशा से आ रही बाइक में टक्कर हुई। बाइक पर किरण, अनुषा और अनीता अस्पताल जा रहे थे। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर गए, जिससे अनीता के पैर में फ्रैक्चर हो गया।

पीड़ित के परिवार ने बताया कि डॉक्टरों ने अनीता को लंबे समय तक आराम करने की सलाह दी है। साथ ही कहा कि दिव्या सुरेश ने अभी तक उनसे कोई संपर्क नहीं किया है।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद पीड़ितों ने मदद के लिए काफी आवाज लगाई थी, लेकिन कार नहीं रुकी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब गंभीर रूप से घायल अनीता को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। पुलिस के मुताबिक, जांच अभी जारी है और आरोपी को जल्द ही हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

बातचीत

बेंगलूरु में शनिवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार लोगों से बातचीत करते हुए।

शिवकुमार ने टनल रोड परियोजना का विरोध करने पर तेजस्वी सूर्या की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को टनल रोड परियोजना का विरोध करने पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की आलोचना की। उन्होंने बेंगलूरु में यातायात समस्या को कम करने में तेजस्वी सूर्या और उनकी पार्टी के योगदान के बारे में जानना चाहा।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, कोई भी (सुरंग मार्ग) का विरोध करे। मुझे इसकी जरा भी परवाह नहीं है। मैं जानता हूं कि उन्होंने (भाजपा ने) एक जनहित याचिका दायर की है। वे नहीं चाहते कि सरकार अच्छे काम करे और उसकी अच्छी छवि बने। इस बात पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कि भाजपा सुरंग मार्ग परियोजना का विरोध क्यों कर रही है, शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार कोई भूमि अधिग्रहण नहीं कर रही है, बल्कि क्राइस्ट कॉलेज या विश्वविद्यालय के पास केवल थोड़ी सी जमीन का उपयोग कर रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वैकल्पिक समाधान के विचार के प्रति भी उनका खुला रुख है। ऐतिहासिक लालबाग को नष्ट किए जाने की आशंका को दूर करने के लिए शिवकुमार ने कहा कि लालबाग को कोई समस्या नहीं होगी, क्योंकि यह मार्ग वहां भूमिगत होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, यह (सुरंग मार्ग) अंदर जाएगी। एक तरफ, हम अस्थायी रूप से जमीन के एक हिस्से का उपयोग करेंगे। (परियोजना पूरी होने के बाद) हम इसे फिर से पार्क में बदल देंगे। हमें इसे अंदर खोदना होगा। यह काम बाहर नहीं किया जा सकता। शिवकुमार ने कहा कि वह कभी भी तेजस्वी सूर्या के आगे नहीं झुकेंगे। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भारतीय

जनता पार्टी अपने कार्यकाल में कोई अच्छा काम नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, तेजस्वी सूर्या खाली संदूक की तरह हैं। सूर्या के इस बयान पर कि यह सड़क केवल अमीर लोगों के लिए है, शिवकुमार ने कहा, हां, यह अमीरों के लिए है, जिनके पास पैसा है। उन्होंने तेजस्वी सूर्या से बेंगलूरु के यातायात को सुगम बनाने के लिए एक कार्ययोजना की भी मांग की।

शिवकुमार ने पूछा, उन्हें हमें एक कार्ययोजना बतानी चाहिए। बेंगलूरु के लिए उनकी क्या कार्ययोजना है? उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद होने के बावजूद, सूर्या कर्नाटक के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 10 रुपये भी स्वीकृत नहीं करवा पाए।

उन्होंने आरोप लगाया, उन्होंने सांसद निधि (एमपीलैड) का क्या किया? जब उनकी पार्टी की सरकार थी, तब उनकी कार्ययोजना क्या थी? वे यातायात की समस्या का समाधान क्यों नहीं कर पाए? वे कचरा प्रबंधन के लिए निविदा क्यों नहीं निकाल पाए? वे सड़कें चौड़ी क्यों नहीं कर पाए, फ्लाईओवर क्यों नहीं बना पाए? वे कुछ नहीं कर सके।

बेंगलूरु में खतरनाक तरीके से लटके तारों की ओर इशारा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने सूर्या से पूछा, वे (भाजपा) इन्हें हटा क्यों नहीं पाए? उन्होंने माफियाओं से हाथ मिला लिया और बेंगलूरु को बर्बाद कर दिया। उनकी वजह से कर्नाटक बर्बाद हो गया, इसलिए लोगों ने हमें 140 सीट (224 सदस्यीय विधानसभा में) दीं।

सबरीमला सोना चोरी मामला

एसआईटी ने बेल्लारी, बेंगलूरु में छापेमारी पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/बेंगलूरु। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के बेंगलूरु स्थित अपार्टमेंट और बेल्लारी में एक आभूषण की दुकान पर छापेमारी की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पोट्टी को जांच के तहत शुक्रवार को बेंगलूरु ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने गोवर्धन की आभूषण की दुकान पर छापा मारा, जिसने मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) की चौखट पर सोने की परत चढ़ाने के काम के लिए कथित तौर पर धन दिया था व आधिकारिक तौर पर इस काम को पोट्टी ने वित्तपोषित किया था।

अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी ने आभूषण की दुकान से सोने की कई ईंट जब्त की हैं। उन्होंने बताया कि हालांकि अब इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि क्या जब्त किया गया सोना द्वारपालक की मूर्तियों की सोने की परत चढ़ी तांबे की प्लेट से निकाला गया था, जिन्हें 2019 में इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए भेजा गया था। एसआईटी ने जांच के तहत गोवर्धन का बयान पहले ही दर्ज कर लिया है।

बेल्लारी के रहने वाले गोवर्धन ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार करते हुए कहा कि वह भगवान अयप्पा का भक्त है और उसने खुद 35 लाख रुपये खर्च कर मंदिर के लिए नया स्वर्णमंडित द्वार तैयार कराया।

पोट्टी ने कहा, एसआईटी के अधिकारी मुझसे मिलने आए और मुझसे पूछताछ की। मैंने पूरा सहयोग किया है और जब भी वे मुझे बुलाएंगे, मैं पेश हो जाऊंगा। इस बीच, जांच दल ने बेंगलूरु के श्रीरामपुरा में पोट्टी के अपार्टमेंट पर भी छापेमारी की और वहां स्थित एक अयप्पा मंदिर भी गई, जहां पोट्टी पहले पुजारी था। अधिकारियों ने बताया कि पोट्टी को अब चेन्नई के स्मार्ट क्रिएशन ऑफिस ले जाया जाएगा, जहां 2019 में इलेक्ट्रोप्लेटिंग का काम हुआ था। इससे पहले, रन्नी में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत ने एसआईटी को 30 अक्टूबर तक पोट्टी की हिरासत दी थी। सूत्रों ने कहा कि जांच दल का उद्देश्य हिरासत अवधि समाप्त होने से पहले सबूत एकत्रित करना है।

जांच के मुताबिक, पोट्टी को 2019 में इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) से द्वारपालक मूर्तियों की सोने की प्लेट मिली थीं। जांच में सामने आया कि उसने कथित तौर पर वह उन्हें बिना प्राधिकार के दक्षिण भारतीय राज्यों के अलग-अलग मंदिरों और घरों में ले गया। पोट्टी द्वारपालक प्लेट और श्रीकोविल चौखट से सोना गायब होने से जुड़े दो मामलों में मुख्य आरोपी है। उसे द्वारपालक प्लेट से सोना गायब होने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है, जबकि एसआईटी ने हाल ही में इसी मामले में सबरीमला के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू को गिरफ्तार किया है।

'पल्मोनरी और कार्डियक रिहैबिलिटेशन' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'रिवाइव 2025' आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में पहली बार 'पल्मोनरी और कार्डियक रिहैबिलिटेशन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'रिवाइव 2025' का आयोजन किया गया। वायु चेस्ट एंड स्लीप स्पेशलिटी सेंटर द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में देश के प्रमुख पल्मोनोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट, रिहैबिलिटेशन विशेषज्ञ और अंतर्राष्ट्रीय संकाय के अनेक विशेषज्ञ शामिल हुए। वायु चेस्ट एंड स्लीप स्पेशलिस्ट्स के संस्थापक डॉ. रवींद्र मेहता और पुनर्वास सेवाओं की प्रमुख डॉ. योगिता द्वारा परिकल्पित यह सम्मेलन दीर्घकालिक श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए एकीकृत देखभाल को आगे बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

सम्मेलन में दीर्घकालिक परिणामों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए चिकित्सा, उपचारात्मक और पुनर्वास विषयों में बहु-विषयक सहयोग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। डॉ. मेहता ने कहा कि बहुविषयक टीमवर्क स्वास्थ्य लाभ को पुनर्परिभाषित कर सकता है और रोगियों को अपनी शक्ति और स्वतंत्रता का पुनर्निर्माण करने में मदद कर सकता है। यह सहयोगात्मक, संरचित और रोगी-केंद्रित दीर्घकालिक रोग प्रबंधन का भविष्य है। सम्मेलन में डॉ. केएस सतीश, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बीसी श्रीनिवास और डॉ. वेंकटेश टीके आदि शामिल हुए।

श्रीनारायणी पीठम में गुरुस्थानम हॉल का हुआ उद्‌घाटन

वेल्लोर। यहां श्री शक्ति अम्मा के आशीर्वाद से श्री नारायणी पीडम के श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर परिसर में नवनिर्मित गुरु स्थानम हॉल का उद्घाटन समारोह 25 अक्टूबर को हुआ। इस पूर्व दो दिन श्रीचंडी यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ में पूर्णाहूति समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सपत्नीक अनुष्ठान में भाग लिया। श्री शक्ति अम्मा की उपस्थिति में नवनिर्मित गुरु स्थानम हॉल का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदिर के निदेशक और ट्रस्टी श्री शक्ति अम्मा उपस्थित थे।

टोल मार्ग से बचने को लेकर बहस के बाद छात्रा पर हमला करने के आरोप में कैब चालक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जाने के दौरान टोल मार्ग छोड़ने को लेकर हुई बहस के बाद एक कैब चालक ने कथित रूप से 19 वर्षीय कॉलेज छात्र पर हमला कर दिया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस मामले में चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान अजस पी एस (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वह केरल के त्रिशूर का निवासी है और उसे 20 अक्टूबर को हुई घटना के बाद हिरासत में ले लिया गया था।

पीड़िता के चाचा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पश्चिम बंगाल की रहने वाली और बेंगलूरु के एक निजी विश्वविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई कर रही छात्रा ने विमान पकड़ने के लिए हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए एक 'ऑनलाइन एग्रीगेटर' के माध्यम से एक कैब बुक की थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्रा के दौरान चालक ने कथित तौर पर छात्रा द्वारा टोल शुल्क का भुगतान करने के बावजूद टोल मार्ग से बचने की कोशिश की। छात्रा ने जब उससे इस बारे में पूछा तो वह कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दे पाया, जिसके बाद उसने चालक से गाड़ी रोकने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि इसके बाद तीखी बहस हुई, जिसके बाद छात्रा उतर गई और दूसरी कैब बुक कर ली। जैसे ही वह उसमें बैठने जा रही थी तो आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद छात्रा अपना सामान वहीं छोड़कर मौके से चली गई, जबकि चालक फरार हो गया।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और बाद में आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया।

सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री के रूप में पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे : यतींद्र

मैसूरु। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि उनके पिता और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए यतींद्र ने नवंबर क्रांति की चर्चा को खारिज कर दिया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के शीर्ष पद संभालने की अटकलों को निराधार बताया। यतींद्र ने संवाददाताओं से कहा, नवंबर क्रांति सिर्फ अटकलें हैं। हमारी पार्टी में ऐसी कोई चर्चा नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पिता अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति में, वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सिद्दरामय्या लगातार कहते रहे हैं कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, जबकि अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवकुमार नवंबर में उनके उत्तराधिकारी बन सकते हैं। मई 2023 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी टक्कर हुई। पार्टी ने अंततः सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उप-मुख्यमंत्री नियुक्त किया। उस समय, रोटेशनल मुख्यमंत्री फॉर्मूले के तहत समझौते की खबरें थीं, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद पदभार संभालेंगे। हालांकि, पार्टी ने कभी भी इस तरह की व्यवस्था की आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: B/TRD.2025-26/19
दिनांक: 18.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(1) सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीबी) में एसी लोको ट्रिप शेड निर्माण के संबंध में ओएचई संशोधन। (2) पीएफ 7 और 8 के लो एचटी शेल्टर को बदलने का प्रस्ताव, ग्रेनाइट फ्लोरिंग सहित द्वितीय प्रवेश भवन और प्लेटफार्म प्रवेश द्वार के बीच खुले क्षेत्र में शेल्टर का प्रावधान-टीआरडी कार्य। (3) केएसआर बेंगलुरु (एसबीसी) में एसी लोको ट्रिप शेड के विस्तार के संबंध में ओएचई संशोधन। (4) केएसआर बेंगलुरु (एसबीसी) यार्ड में पिट लाइन नंबर 1 और सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीबी) यार्ड में पिट लाइन नंबर 3 के लिए ओएचई का प्रावधान।	रु. 1,46,91,954.11

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथिः 10.11.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ ट्रैक्शन वितरण/बेंगलूरु
PUB/578/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

हर पात्र परिवार तक पहुंचे अन्न सुरक्षा का लाभ : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा के लाभ से वंचित न रहे एवं हर पात्र परिवार तक अन्न सुरक्षा का लाभ पहुंचे। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से बाहर आने के लिए प्रेरित करना एवं पात्र परिवारों को समय पर बेहतर ढंग से राशन उपलब्ध कराना ही राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

खाद्य मंत्री गोदारा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार, जैसलमेर में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में नवाचार के रुप में गिव-अप अभियान का संचालन पूरे प्रदेश में किया गया जिसमें खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत लगभग 41 लाख लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा हैं। वहीं पात्रता के आधार पर प्रदेश मे लगभग 69 लाख से अधिक नए लाभार्थियो के नाम खाद्य सुरक्षा सूची में जोड़े गये है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ हैं कि जरुरतमंद परिवार को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिलें।

उन्होंने कहा कि जैसलमेर जिले में इस अभियान के तहत 43 हजार 164 लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा जबकि 70 हजार 821 नए पात्र परिवारों को इस योजना से जोड़ा गया है। गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा में उचित मूल्य दुकानदारों के कमीशन में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई वहीं पूर्व में उन्हें समय पर कमीशन भी नहीं मिलता था, लेकिन वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश में अगस्त-सितम्बर, 2025 तक का कमीशन का भुगतान राशन डीलरों को किया जा चुका है एवं आने वाले समय में ओर तेजी के साथ उन्हें कमीशन का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने जिले में जिला प्रशासन एवं रसद विभाग के अधिकारियों द्वारा गिव-अप अभियान में किये गए कार्यो की सराहना की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिवअप अभियान को गति देते हुए ऐसे अपात्र लाभार्थियों, जिनमें आयकरदाता, राज्य/केंद्र सरकार के कर्मचारी, चारपहिया वाहनधारक एवं वार्षिक एक लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवार शामिल हैं, को खाद्य सुरक्षा सूची से स्वेच्छा से बाहर करने के लिए जनजागरूकता बढ़ाई जाए।

उन्होंने जिले में नई उचित मूल्य दुकानों की शीघ्र ही विज्ञप्ति जारी कर उसकी भी उचित कार्यवाही समय पर करने के निर्देश दिए ताकि उस क्षेत्र में भी लोगों को स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा का लाभ मिलें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में अभी भी खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र है उनको प्रेरित कर योजना से बाहर कराये एवं पात्र लोगों को जुड़वाए।

बैठक में एनएफएसए पोर्टल पर वर्ष 2022 एवं 2025 के लम्बित आवेदनों के निस्तारण, जांच समितियों की रिपोर्ट की अनुपालना, स्वीकृत आवेदनों के रेण्डम सत्यापन, नये लाभार्थियों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी की स्थिति, राशन डीलरों एवं परिवहनकर्ताओं के बकाया भुगतान संबंधी प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, जिला कलक्टर प्रताप सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

संदिग्ध मौत का मामला : बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए कब्र से निकाला गया

नागौर/दक्षिण भारत। राजस्थान के नागौर जिले में 14 वर्षीय एक लड़की के शव को पोस्टमार्टम के लिए शनिवार को कब्र से बाहर निकाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दिवाली के दिन एक स्थानीय चिकित्सक द्वारा टीका लगाए जाने के बाद लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी और परिजनों की शिकायत पर शनिवार को यह कार्रवाई की गई। उसने बताया कि घटना नागौर जिले के पांचोड़ी गांव की है। पुलिस ने बताया कि 20 अक्टूबर को मनीषा नाम की लड़की को उल्टी और सांस लेने में तकलीफ के बाद उसकी दादी उसे गांव के स्थानीय चिकित्सक रामलाल खोजा के क्लिनिक पर लेकर गई थी।परिवार का आरोप है कि चिकित्सक द्वारा बच्ची को टीका लगाने जाने के कुछ देर बाद उसकी तबीयत और बिगड़ गई। चिकित्सक की सलाह पर उसे नागौर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने उसी दिन शव को दफना दिया था, लेकिन 23 अक्टूबर को परिजनों ने चिकित्सक के खिलाफ पांचोड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद उपखंड अधिकारी (एसडीएम) ने पोस्टमार्टम के लिए शव को कब्र से निकालने का आदेश जारी किया। पुलिस अधिकारियों की निगरानी में शनिवार को शव को बाहर निकालकर सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने कहा, पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वी राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश हुई

जयपुर/दक्षिण भारत। पूर्वी राजस्थान में बीते चौबीस घंटे के दौरान कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य के पूर्वी भाग में कहीं कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई जबकि पश्चिमी भाग में मौसम शुष्क रहा। राज्य में सर्वाधिक वर्षा छाबड़ा (बारां) में 9.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान राजस्थान में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 37.6 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान सीकर में 13.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस समय अरब सागर की खाड़ी में एक अवदाब तथा दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी भारत में 26-27 अक्टूबर से सक्रिय होने की संभावना है। उपरोक्त तंत्र के प्रभाव से दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के उदयपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में 26 से 28 अक्टूबर के दौरान बारिश होने की पूरी संभावना है। तंत्र का सर्वाधिक असर दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में 27-28 अक्टूबर को रहने व कहीं-कहीं आकाशीय बिजली व बादल गरज के साथ मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं राज्य के बाकी अधिकांश भागों में मौसम आगामी दिनों में शुष्क रहने व तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

भाजपा सरकार यानी हर ओर भ्रष्टाचार : अशोक गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी सरकार को 'कमजोर' बताते हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। गहलोत ने सरकार की अन्नपूर्णा रसोई व पन्नाधाय बालगोपाल योजना में कथित गड़बड़ियों से संबंधित समाचारों के संदर्भ में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'भाजपा सरकार यानी हर ओर भ्रष्टाचार।' उन्होंने कहा, भाजपा के कार्यकाल में भ्रष्टाचार एक दीमक की तरह फैल चुका है,ऐसी कोई जगह नहीं बची है जहां करप्शन न हो। हर योजना में फर्जीवाड़ा हो रहा है। जो योजनाएं हमारी सरकार के समय जनहित में काम कर रही थीं वो अब भ्रष्टाचार के धनहित में काम ली जा रही हैं। कांग्रेस नेता ने लिखा,'यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि इस समय राजस्थान में इतनी कमजोर सरकार है जो हर मोर्चे पर विफल है और जमकर भ्रष्टाचार कर रही है।'

आत्मनिर्भरता राष्ट्र निर्माण की मूल भावना : बिरला

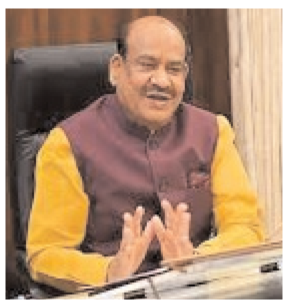

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि आत्मनिर्भरता केवल एक आर्थिक नीति नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की मूल भावना है। उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों और सेवाओं को अपनाने का आग्रह किया। राजस्थान के कोटा में आयोजित आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्थानीय सांसद बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के नागरिक आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण में जुटे हुए हैं।

बिरला ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन, उपयोग और सम्मान आत्मनिर्भर भारत की नींव है। उन्होंने कहा, यह केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान से जुड़ा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में स्वदेशी अपनाना चाहिए। जब ङ्कङ्ककिसान, मजदूर, व्यापारी और युवा मिलकर काम करेंगे, तभी देश में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बिरला ने कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन के क्षेत्र में अपार अवसरों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, मजबूत सड़क, रेल और हवाई संपर्क के कारण यह क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और पोरबंदर-सिलचर कॉरिडोर जैसी परियोजनाएं कोटा को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से जोड़ रही हैं।

मतदान दलों का किया द्वितीय रेण्डमाइजेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत मतदान दलों में नियोजित होने वाले कार्मिकों का शनिवार को कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से द्वितीय रेंडमाइजेशन किया गया। सामान्य पर्यवेक्षक सुभानंदा व जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर की मौजूदगी में विधानसभा क्षेत्र अंता में उपचुनाव के लिए मतदान दलों के कार्मिकों का रेण्डमाइजेशन मिनी सचिवालय स्थित एनआईसी कक्ष में किया गया।

रेण्डमाइजेशन में महिला व दिव्यांग बूथ सहित कुल 268 पोलिंग बूथों पर नियोजित होने वाले माइक्रो ऑब्जर्वर, वीडियो ग्राफर ऑब्जर्वर सहित मतदान दल कार्मिकों का रेण्डमाइजेशन करते हुए उन्हें द्वितीय प्रशिक्षण के लिए आदेश जारी किए गए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, मतदान दल प्रकोष्ठ प्रभारी व सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव, सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहनलाल, एनआईसी उप निदेशक मनीष शर्मा मौजूद थे।

सतीश पूनिया ने जन्मदिन पर भरतपुर में मंदिर में पूजा-अर्चना की

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने शुक्रवार को अपने 61वें जन्मदिन पर परिवार तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भरतपुर डीग जिले में स्थित पूंछरी का लौठा मंदिर में भगवान गोवर्धन महाराज और श्रीनाथजी भगवान की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के भाजपा कार्यकर्ता पूनिया को बधाई देने मंदिर परिसर में पहुंचे। पूनिया ने कहा, यह न तो आमसभा है और, न ही यह शक्ति प्रदर्शन है, यह तो भक्ति प्रदर्शन है, जहां कार्यकर्ता भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में तल्लीन हैं।

भाजपा की राजस्थान इकाई के पूर्व अध्यक्ष पूनिया और उनके परिवार ने गोवर्धन जी महाराज मुकुट मुखारविंद पर दुग्धाभिषेक कर पूजा अर्चना की एवं श्रीनाथजी मंदिर में दुग्धाभिषेक, छप्पन भोग एवं बालभोग प्रसादी के साथ पूजा अर्चना की और उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में गोवर्धन जी दानघाटी में पूजा अर्चना कर राजस्थान और देशवासियों की खुशहाली की कामना की। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत लड़कियों के बैंक खाते खुलवाने की अपनी पहल के बारे में उन्होंने कहा कि वे अब तक 50 हजार से अधिक सुकन्या समृद्धि योजना के खाते पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम से पूरे राजस्थान में खुलवा चुके हैं और आगामी वर्ष में एक लाख बेटियों के सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाने का उनका संकल्प है।

'गहलोत राजनीति तो कर सकते हैं, लेकिन रणनीति में फेल': मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार चुनाव और विपक्षी गठबंधन की नीतियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त कर कहा कि इंडी गठबंधन का कोई वैचारिक या नीतिगत आधार नहीं है। उनका उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना है, न कि जनता के कल्याण के लिए काम करना। राठौड़ ने आरोप लगाया कि इन दलों के पास विकास, सुशासन और आम जनता के जीवन को सुधारने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। उन्होंने कहा कि जो नेता कल तक एक-दूसरे पर हमलावर थे, वही आज सत्ता की लालसा में एक मंच पर खड़े नजर आ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने दावा किया कि भाजपा विकास, पारदर्शिता और जनविश्वास की राजनीति करती है जबकि इंडी गठबंधन केवल कुर्सी बचाने की राजनीति में विश्वास रखता है। जनता इनकी हकीकत भली-भांति समझ चुकी है और बिहार विधानसभा चुनाव इसका प्रमाण देंगे।बिहार में खछ्ळ्ख- द्वारा घोषित मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर उन्होंने कहा कि यह केवल लोगों को लुभाने और किसी भी प्रकार से सत्ता हासिल करने की लालसा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन भरोसे के लायक नहीं है और इनकी आंतरिक राजनीति किसी भी समय पलटी मार सकती है। सीटों के बंटवारे को लेकर भी उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रक्रिया में कोई नीति या सिद्धांत नजर नहीं आया, केवल सत्ता की भूख हावी रही।पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि गहलोत राजनीति करने में सक्षम हैं, किन्तु रणनीति बनाने में बार-बार असफल साबित हुए हैं।

जोधपुर एयरपोर्ट पर 26 अक्टूबर से लागू होगा विंटर शेड्यूल : आठ शहरों के लिए प्रतिदिन 15 फ्लाइटों का संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर एयरपोर्ट पर रविवार से विंटर शेड्यूल लागू होने जा रहा है। इस नए शेड्यूल में यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 15 फ्लाइटों का प्रतिदिन संचालन किया जाएगा, जो देश के आठ प्रमुख शहरों से जोधपुर को जोड़ेगी।विमानन सूत्रों के अनुसार, नए शेड्यूल में जोधपुर से जयपुर, इंदौर और अहमदाबाद की फ्लाइटें फिर से शुरू हो रही हैं, जो कुछ समय से बंद थीं। इसके अलावा मुंबई के लिए प्रतिदिन चार, दिल्ली के लिए तीन, जबकि हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए दो-दो फ्लाइटें संचालित की जाएंगी। पहली फ्लाइट सुबह 7:50 बजे उड़ान भरेगी, जबकि अंतिम फ्लाइट शाम 5:30 बजे जोधपुर से रवाना होगी।

प्रमुख एयरलाइनों का संचालन : विंटर शेड्यूल में शामिल 15 फ्लाइटों में से, 11 फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की होंगी, 3 फ्लाइट एयर इंडिया की और 1 फ्लाइट एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित की जाएगी। विशेष बात यह है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट पहली बार जोधपुर से शुरू होगी, जो बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगी। इंडिगो एयरलाइंस की अहमदाबाद-जोधपुर-जयपुर फ्लाइट एक ही रूट में तीनों शहरों को जोड़ेगी। यह फ्लाइट अहमदाबाद से जोधपुर पहुंचने के बाद जयपुर जाएगी, जबकि वापसी में जयपुर-जोधपुर-अहमदाबाद रूट पर लौटेगी। जोधपुर से जयपुर के बीच नई फ्लाइट सप्ताह में छह दिन संचालित होगी, जिससे राजस्थान के दो प्रमुख शहरों के बीच हवाई संपर्क एक बार फिर सशक्त होगा।

इस बार के विंटर शेड्यूल में कोलकाता, चेन्नई और बेलगाम को शामिल किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन किसी भी एयरलाइन ने इन रूटों में रुचि नहीं दिखाई। इस नए शेड्यूल में इंट्रा-स्टेट (राज्य के भीतर) फ्लाइट केवल जयपुर के लिए ही शुरू की गई है।

अन्य किसी शहर के लिए फिलहाल कोई नई घरेलू फ्लाइट घोषित नहीं हुई है। विमानन अधिकारियों का कहना है कि जोधपुर में सर्दियों के दौरान पर्यटन सीजन को देखते हुए यह विंटर शेड्यूल तैयार किया गया है, ताकि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों को बेहतर हवाई सुविधा मिल सके।

नवनियुक्त पुलिस आयुक्त ने कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शनिवार को कहा कि वह सरकार द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। मित्तल ने पुलिस आयुक्त के पद को संवेदनशील और महत्वपूर्ण दायित्व वाला दिया। उन्होंने शनिवार को यहां कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय ने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है। निश्चित रूप से यह एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पद है। मैं इस दायित्व को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाने का प्रयास करूंगा और मुझ पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरूंगा।

उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए आज एक बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। मित्तल ने बताया, इस संबंध में आवश्यक संसाधनों और तकनीक का प्रस्ताव सरकार को पहले ही भेजा जा चुका है। राज्य सरकार ने बजट में भी इसकी घोषणा की है। उम्मीद है कि पुलिस मुख्यालय जल्द ही खरीद प्रक्रिया शुरू करेगा, ताकि साइबर अपराधों से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय द्वारा तय प्राथमिकताओं पर ही केंद्रित रहेगा।

अपनी कार्ययोजना के बारे में मित्तल ने कहा, आदर्श स्थिति वह होती है कि लोगों की समस्याओं का समाधान पुलिस थाना स्तर पर ही हो जाए और उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचने की आवश्यकता न पड़े। हमारा प्रयास रहेगा कि हम इस आदर्श स्थिति के जितना अधिक करीब पहुंच सकें। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस मुख्यालय पहले से ही कई कार्यक्रम आयोजित कर रहा है और राज्य सरकार भी इस विषय को लेकर गंभीर है।

उन्होंने कहा, हम इस दिशा में लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह 'टीमवर्क' को मजबूत करने तथा पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 1996 बैच के अधिकारी मित्तल को बुधवार को जयपुर का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया था। उन्होंने बीजू जॉर्ज जोसेफ का स्थान लिया है, जिन्हें अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) कार्मिक नियुक्त किया गया है। यह पद पहले मित्तल के पास था।

मण्डी समितियों में कृषक सुविधाओं का होगा विस्तार

जयपुर। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में सुविधाओं एवं सेवाओं का विस्तार कर किसान कल्याण के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में सतत रूप से कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की अकलेरा एवं श्रीगंगानगर मंडी में विकास कार्य के लिए 2 करोड़ 28 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

झालावाड़ जिले की कृषि उपज मंडी अकलेरा में ई-नाम हॉल का कार्यालय भवन सहित नवीन निर्माण कार्यों के लिए 1 करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं, कृषि उपज मंडी श्रीगंगानगर के फल-सब्जी व वन उपज मंडी यार्ड में विद्युत कार्यों के लिए भी लगभग 50 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला 2025

मेले में छाया अजमेर का 'लेपर्ड सफारी' प्रोजेक्ट, बालू रेत से बनाई कलाकृति पर्यटकों को कर रही आकर्षित

अजमेर/दक्षिण भारत । अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में इस बार अजमेर के काजीपुरा गांव स्थित गंगा भैरव घाटी में विकसित हो रहा लेपर्ड सफारी प्रोजेक्ट छाया हुआ है। प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने नए मेला मैदान में बालू रेत से लेपर्ड सफारी अजमेर को दर्शाती कलाकृति बनाई है। इसमें गुफा में बैठा एक लेपर्ड हिरण का शिकार करते दिखाई दे रहा है, जो देशी-विदेशी सैलानियों में बरबस ही अपनी और आकर्षित कर रही है। रावत ने बताया कि इसे बनाने में छह घंटे लगे।

आने वाले समय में लेपर्ड सफारी पर्यटकों के लिए एक अच्छा पर्यटक स्थल साबित होगा। मेले में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को इसकी जानकारी देने के लिए इस कलाकृति को तैयार किया गया है।अजय रावत की ओर से मेले में सैंड आर्ट फेस्टिवल का 8वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बनाई बालू रेत की विभिन्न कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। पुष्कर मेला 2025 के तहत विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ 2 नवंबर को और समापन 5 नवंबर को प्रस्तावित है।

पुष्कर पशु मेले में बिक्री के लिए आने वाले पशुओं की संख्या दिनोंदिन बढ़ोतरी हो रही है। रेतीले धोरों में पशुपालकों की हलचल भी बढ़ने लगी है। दीपावली के दूसरे दिन से शुरू हुए पशु मेले में पशुपालन विभाग ने अब तक 624 पशुओं की आवक दर्ज की है। मेले में आए पशुओं में सर्वाधिक 412 ऊंट शामिल हैं। इसके अलावा 211 अश्व आए हैं। पशु मेला अधिकारी डा. सुनील घीया ने बताया कि 624 मवेशियों में से 107 अश्व वंश व 3 ऊंट राजस्थान के बाहर से आए हैं।

एक करोड़ की 'नगीना' ने जीता अश्व प्रेमियों का दिल

पुष्कर के रेतीले धोरों पर इन दिनों देश-विदेश से आए पशुप्रेमियों की नज़रें एक ही दिशा में ठहर जाती हैं जहाँ खड़ी है मारवाड़ी नस्ल की चमचमाती घोड़ी नगीना अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेले में इस घोड़ी ने अपने शाही ठाठ, चाल और रौब से हर किसी को मोहित कर लिया है। मात्र 31 महीने की उम्र में ही नगीना शो ग्राउंड्स की स्टार बन चुकी है। अब तक पांच अलग-अलग हॉर्स शो में यह 'विनर' रह चुकी है, जहाँ लाखों घोड़ों में से उसने शीर्ष स्थान हासिल किया। मेले में आते-जाते लोग उसके खुरों की थाप और ऊँची गर्दन के साथ चलते आत्मविश्वास को देखकर रुक जाते हैं। नगीना की कद-काठी देखने लायक है 65 इंच ऊँची, सुडौल शरीर और तेज़ चाल मानो रेत पर हवा के साथ दौड़ रही हो। यही वजह है कि अब तक इस घोड़ी की कीमत एक करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। कई व्यापारियों ने इसे खरीदने की पेशकश की, पर नगीना के मालिक गोरा भाई के लिए यह सिर्फ़ एक घोड़ी नहीं, बल्कि घर की शान और परिवार का सदस्य है।

यह चुनाव तय करेगा कि बिहार में 'जंगलराज' लौटेगा या विकास कायम रहेगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खगड़िया/नालंदा/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय की वह गौरवगाथा पुनर्स्थापित की है, जिसे आज 100 बख्तियार खिलजी भी मिटा नहीं सकते।

बिहारशरीफ में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की बदौलत ही चुनाव दो चरणों में हो पा रहे हैं, और अगर जनता इसे एक और मौका दे तो अगली बार बिहार में चुनाव एक ही चरण में संपन्न होंगे। शाह ने विपक्षी नेताओं जैसे लालू प्रसाद, राहुल गांधी, ममता बनर्जी व मायावती को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के फैसले के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि मोदी-सरकार ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि अब जंगल राज की वापसी नहीं होने देंगे और विकास-प्रदर्शन के आधार पर सरकार का चुनाव किया जाना चाहिए। इससे पहले खगड़िया जिले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव यह तय करेगा कि राज्य में 'जंगलराज' वापस आएगा या यह विकास के रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा। शाह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध करने को लेकर 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधा और कहा कि ''हर एक घुसपैठिये का पता लगाया जाएगा, मतदाता सूची से उनका नाम हटाया जाएगा और ऐसे लोगों को उनके देशों में वापस भेजा जाएगा।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा, ''राहुल बाबा कहते हैं कि घुसपैठियों को बिहार में रहने दिया जाए। आप बताइए, क्या हमें घुसपैठियों को रहने देना चाहिए? चाहे वह जितनी भी रैलियां कर लें 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाल लें, वह घुसपैठियों को बचा नहीं सकते।'' गृह मंत्री ने दावा किया कि बिहार में फिर राजग की सरकार बनेगी और कहा, ''हमारी सरकार एक-एक घुसपैठिये को चुनकर देश से बाहर करेगी, उनका पता लगाया जाएगा और उन्हें वापस भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''यह चुनाव किसी को विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने का चुनाव नहीं है। यह चुनाव तय करेगा कि बिहार में लालू-राबड़ी का 'जंगलराज' लौटेगा या फिर राजग के आने पर विकसित बिहार पूरे देश में अपनी पहचान बनाएगा।'' शाह ने आरोप लगाया कि विपक्षी महागठबंधन की पहचान ''भ्रष्टाचार और परिवारवाद'' है। कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने केवल अपने परिवार की समृद्धि पर ध्यान दिया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उत्तर प्रदेश सरकार ने इन मुलाकातों को शिष्टाचार भेंट बताया। इससे पहले आदित्यनाथ ने नोएडा में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थल का निरीक्षण किया था।

ओडिशा के इंजीनियर ने लकड़ी का 1.1 मिलीमीटर चम्मच बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया

ब्रह्मपुर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले के लघु शिल्प बनाने वाले 23 वर्षीय कलाकार ने लकड़ी का सबसे छोटा चम्मच तैयार कर 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया है। 'इलेक्ट्रिकल इंजीनियर' के. बिजय कुमार रेड्डी ने लकड़ी का एक चम्मच बनाया है जिसकी लंबाई सिर्फ 1.13 मिलीमीटर है और यह सुई के छेद से होकर गुजर सकता है। इससे पहले दुनिया के सबसे छोटे लकड़ी के चम्मच का रिकॉर्ड बिहार के एक कलाकार के नाम पर था जिन्होंने 1.64 मिलीमीटर लंबा चम्मच बनाया था।

रेड्डी ने कहा, ''मुझे हाल में मेरी कला के लिए नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने के बारे में संदेश मिला।'' उन्होंने बताया कि इस छोटे से चम्मच को बनाने में उन्हें करीब तीन महीने का समय लगा और जनवरी में इसे 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' को भेज दिया गया। रेड्डी ने कहा, ''मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि कला की कोई सीमा नहीं होती और यहां तक कि सबसे छोटी रचना भी बड़ा संदेश दे सकती है।'' चाक से मूर्तियों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध रेड्डी ने कहा कि चम्मच बनाने के लिए स्थिर हाथों, अपार धैर्य और असाधारण ध्यान की आवश्यकता होती है। इससे पहले उन्होंने चाक पर कई लघु मूर्तियां बनाई थीं, जिनमें क्रिकेटरों और अयोध्या के राम मंदिर की मूर्तियां भी शामिल थीं।

निवेश लाकर, फैक्ट्रियां स्थापित कर बिहार को अग्रणी राज्य बनाएंगे: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खगड़िया/भोजपुर/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि यदि गठबंधन की सरकार बनी, तो निवेश आकर्षित कर और फैक्ट्रियां स्थापित कर बिहार को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे।

खगड़िया जिले के परबत्ता और अलौली, तथा भोजपुर जिले के शाहपुर में लगातार सभाओं को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि उनकी लड़ाई केवल सत्ता हासिल करने की नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की है।

तेजस्वी ने कहा, ''हमें बिहार को 'नंबर-वन' बनाना है, जिसके लिए निवेश लाना होगा, शिक्षा को बढ़ावा देना होगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाना होगा। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा यह कहकर बहाने बनाती है कि बिहार में भूमि की कमी है, इसलिए उद्योग नहीं लग सकते। तेजस्वी ने दावा किया कि उनकी सरकार राज्य में उद्योग स्थापित करेगी और बिहार को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने केंद्र में रहते हुए बिहार में सुई बनाने की फैक्टरी तक नहीं लगाई। फैक्ट्रियां गुजरात में लगती हैं और वोट मांगने बिहार आ जाते हैं। यहां केवल लोगों को छलने आते हैं।''

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शराबबंदी नीति को ''दिखावटी'' बताते हुए तेजस्वी ने आरोप लगाया, ''शराब अमीरों के घर तक प्रशासन पहुंचा रहा है, जबकि गरीबों और महिलाओं को रात-रात भर छापों का सामना करना पड़ता है।'' उन्होंने तंज किया कि पुलिस थानों में जब्त शराब चूहों द्वारा पी ली जाती है और गायब हो जाती है।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने नीतीश कुमार को ''हाइजैक'' कर लिया है, और अब वे बिहार का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव का समय आ गया है।

तेजस्वी अब भी लालू प्रसाद की छाया से बाहर नहीं आ पाए हैं: तेज प्रताप

पटना/भाषा। पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने शनिवार को कहा कि उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव अब तक पिता लालू प्रसाद की छाया से बाहर नहीं निकल पाए हैं। हसनपुर के विधायक तेज प्रताप ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित किए जाने के बाद जनशक्ति जनता दल का गठन कर लिया था।

समर्थकों द्वारा तेजस्वी को 'जननायक' कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा 'जननायक' की उपाधि राम मनोहर लोहिया और कर्पूरी ठाकुर जैसे महापुरुषों से जुड़ी है। तेज प्रताप ने कहा, ''लालू प्रसाद भी इस उपाधि के योग्य हैं, लेकिन तेजस्वी की पहचान अभी भी अपने पिता पर टिकी है। जिस दिन वह अलग पहचान बना लेंगे, मैं स्वयं उन्हें 'जननायक' कहने वाला पहला व्यक्ति बनूंगा।'' इस बार हसनपुर से अलग महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे तेज प्रताप ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव परिणाम चाहे जो हों, वह न तो पिता की पार्टी में लौटेंगे और न ही किसी अन्य दल में शामिल होंगे। उन्होंने महुआ में अपनी जीत का पूरा विश्वास जताते हुए कहा कि यहां उनका ''कोई मुकाबला नहीं'' है।

तृणमूल कांग्रेस रोहिंग्या घुसपैठियों की बंगाल में बसने में मदद कर रही है : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस रोहिंग्या घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराकर राज्य में बसने में उनकी मदद कर रही है।

दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में 'विजय संकल्प' रैली में अधिकारी ने कहा कि अगर अगले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सरकार को सत्ता से नहीं हटाया गया तो वह दिन दूर नहीं जब राज्य की जनसांख्यिकी बदल जाएगी। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारतीय मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ हैं। भाजपा के सत्ता में आने पर उनका पता लगाया जाएगा। उनके नाम हटाए जाएंगे और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।'' तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दल भाजपा पर मुस्लिम विरोधी होने का आरोप लगाते रहे हैं। विपक्ष के इन दावों के बारे में अधिकारी ने कहा, ''मैंने कभी नहीं कहा कि हमें मुस्लिम वोट की जरूरत नहीं है... बल्कि मुझे आश्चर्य होता हैं कि हमें उनके (मुस्लिम) वोट क्यों नहीं मिल रहे हैं। मुझे लगता है कि तृणमूल कांग्रेस उन्हें वोटबैंक की राजनीति के लिए इस्तेमाल कर रही है।'' उन्होंने स्पष्ट किया, ''क्या उन्हें मोदीजी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) की सामाजिक कल्याण परियोजनाओं का लाभ नहीं मिला? मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा मुसलमानों सहित हर वर्ग, हर समुदाय के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं। भाजपा भारतीय मुसलमानों के खिलाफ नहीं है।'' तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में हिंदुओं की संख्या में कमी आने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि 2027 की जनगणना में हिंदुओं की आबादी 85 प्रतिशत से घटकर 65 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश में हिंदू गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। हमें आशंका है कि अगर जनसांख्यिकी में बदलाव को नहीं रोका गया तो उनका यहां भी ऐसा ही हश्र होगा।''

किशोर का मोदी-शाह पर हमला, कहा- बिहार को सस्ता 'डेटा' नहीं, रोजगार के लिए बाहर गया बेटा वापस चाहिए

पूर्वी चंपारण/भाषा। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि बिहार को ''सस्ता डेटा (मोबाइल इंटरनेट) नहीं, रोजगार के लिए बाहर गया अपना बेटा'' वापस चाहिए। उन्होंने आरोप गाया कि केंद्र और बिहार में सत्ता पर काबिज दल युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रहे हैं। पूर्वी चंपारण के ढाका में जनसभा को संबोधित करते हुए किशोर ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है, जबकि राज्य के युवाओं को बेहतर अवसरों की तलाश में बाहर पलायन करना पड़ रहा है। किशोर ने कहा, ''बिहार को सस्ता डेटा नहीं, अपना बेटा वापस चाहिए, जो रोजगार के लिए बाहर गया है।''

जनसुराज के संस्थापक ने कहा कि उनकी लड़ाई बिहार को एक विकसित और सक्षम राज्य बनाने की है, जहां युवाओं को अपने ही प्रदेश में सम्मानजनक रोजगार मिल सके। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते हुए कहा, ...अपने हक के साथ खड़े होकर अपने बच्चों के लिए वोट दीजिए। उन्होंने यह भी कहा, ''अमित शाह को बताना चाहिए कि सात हत्या के आरोपी बिहार के उपमुख्यमंत्री कैसे बने हुए हैं।'' उनका इशारा भाजपा नेता सम्राट चौधरी की तरफ था। इससे पहले, शुक्रवार को पश्चिमी चंपारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा था कि पहले बिहार में बूथ लूटने की घटनाएं होती थीं, लेकिन अब अमित शाह उम्मीदवार लूट रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जनसुराज पार्टी के तीन से चार संभावित प्रत्याशियों को अपने पक्ष में मिलाने की कोशिश की है।

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में फिर खेलने को लेकर अनिश्चितता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौतीपूर्ण वनडे श्रृंखला समाप्त होने के बाद शनिवार को कहा कि शायद वह और विराट कोहली भविष्य में क्रिकेट को पसंद करने वाले इस देश में नहीं खेल पायेंगे।

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद अब रोहित और कोहली केवल एक अंतरराष्ट्रीय प्रारूप (वनडे) में खेल रहे हैं और हाल के दिनों में उनके करियर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों ने शनिवार को एक बार फिर मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को नौ विकेट की सांत्वना जीत के साथ श्रृंखला में सूपड़ा साफ होने से बचाया। रोहित को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, ''यहां आना और खेलना हमेशा अच्छा लगता है। 2008 की यादें ताजा हो गईं। मुझे नहीं पता कि हम ऑस्ट्रेलिया वापस आएंगे या नहीं, लेकिन हम अपने क्रिकेट का आनंद लेते हैं, चाहे हम कितनी भी उपलब्धियां हासिल कर लें।'' रोहित ने शानदार नाबाद 121 रन बनाए जबकि कोहली ने भारत की जीत में नाबाद 74 रनों का योगदान दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा, ''हमने पर्थ में नए सिरे से शुरुआत की। मैं चीजों को इसी तरह देखता हूं।''

रोहित ने अपने करियर के इस चरण में अनुभव और मार्गदर्शन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''आप ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों और बेहतरीन गेंदबाजों का सामना करते हैं। यहां खेलना कभी आसान नहीं होता। हम श्रृंखला नहीं जीत सके लेकिन इसमें कई सकारात्मक बातें हैं। यह एक युवा टीम है और बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। जब मैं टीम में आया था, तो सीनियर खिलाड़ियों ने हमारी बहुत मदद की थी। अब हमारा काम भी यही है। हमें उनका मार्गदर्शन करना होगा, खेल की योजनाएं बनानी होंगी और बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा।''

रोहित ने कहा ऑस्ट्रेलिया में खेलना उनके लिए हमेशा यादगार रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रशंसकों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मेरी यहां शानदार यादें रही हैं। एससीजी से लेकर पर्थ तक मुझे यहां खेलना पसंद है मैं जो करता हूं, उसे जारी रखने की उम्मीद करता हूं।''

सुरक्षा प्रोटोकॉल पर फिर से विचार करेंगे, सुरक्षा और कड़ी करेंगे: बीसीसीआई सचिव सैकिया

इंदौर/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की दो क्रिकेटरों के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना की कड़ी निंदा की और विश्व कप के नॉक आउट चरण से पहले सुरक्षा प्रोटोकॉल पर फिर से विचार करने तथा सुरक्षा को और कड़ा करने का वादा किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह शहर के खजराना रोड इलाके में हुई इस घटना में शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों क्रिकेटर अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं, तभी मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। इलाके की सब इंस्पेक्टर निधि रघुवंशी के मुताबिक इस व्यक्ति ने कथित तौर पर उनमें से एक को गलत तरीके से छुआ और भाग गया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, ''यह बहुत निंदनीय लेकिन इकलौती घटना है। भारत अपने आतिथ्य के लिए मशहूर है। हम ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे।

राजद 2005 में बिहार में मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए तैयार नहीं थी : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को दावा किया कि उनके पिता राम विलास पासवान 2005 में बिहार में एक मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद) इसके लिए राजी नहीं हुई।

चिराग ने अल्पसंख्यक समुदाय से अपील करते हुए कहा कि यदि वे बंधुआ वोट बैंक बने रहेंगे, तो उन्हें सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी। उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2005 में मेरे नेता मेरे पिता दिवंगत रामविलास पासवान जी ने मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पार्टी तक कुर्बान कर दी थी – तब भी आपने उनका साथ नहीं दिया।'' उन्होंने दावा किया, ''राजद 2005 में भी मुस्लिम मुख्यमंत्री के लिए तैयार नहीं थी, आज 2025 में भी न मुस्लिम मुख्यमंत्री देने को तैयार है, न उपमुख्यमंत्री। अगर आप बंधुआ वोट बैंक बनकर रहेंगे, तो सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी?''

चिराग के इस बयान का समर्थन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, ''यह सच है कि 2005 में राम विलास पासवान ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने की मांग की थी, लेकिन उनके इनकार के चलते सरकार नहीं बन सकी।''

मयूरभंज में दो आदिवासी लड़कियों से सामूहिक बलात्कार, तीन गिरफ्तार

बारिपदा/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में दो आदिवासी लड़कियों के साथ पांच लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। लड़कियां अपने दोस्तों के साथ घर लौट रही थीं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात को हुई लेकिन शुक्रवार को रसगोविंदपुर पुलिस थाने में उनके माता-पिता द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद यह मामला सामने आया।

पुलिस ने बताया कि 13 और 14 साल की ये लड़कियां दो लड़कों के साथ पास के एक गांव में 'जात्रा' या थिएटर देखने गई थीं। घर लौटते समय कुछ युवकों ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली और उनके दोस्तों के साथ मारपीट करने के बाद उन्हें अपने साथ ले गए। कक्षा आठ और नौ की छात्राएं पांच लोगों द्वारा कथित तौर पर बलात्कार की शिकार हुईं। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है।

रोहित और कोहली ने दिखाया जलवा, भारत की ऑस्ट्रेलिया पर बड़ी जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करके आकर्षक पारियां खेल कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया जिससे भारत ने तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

भारत के सामने 237 रन का अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य था लेकिन रोहित और कोहली ने इसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रोहित ने 125 गेंद पर नाबाद 121 रन बनाए जिसमें 13 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कोहली ने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। इस तरह से उसने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की मंशा पर भी पानी फेर दिया जो पहले दो मैच जीत कर तीन मैच की श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुका था। इससे पहले तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 39 रन देकर चार विकेट लेकर अपनी क्षमता का परिचय दिया जिससे ऑस्ट्रेलिया की टीम 46.4 ओवर में 236 रन पर सिमट गई। उसकी तरफ से मैट रेनशॉ ने सर्वाधिक 56 रन बनाए।

एडिलेड में खेले गए दूसरे मैच में 73 रन बनाने वाले रोहित ने अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की और अपने वनडे करियर का 33वां शतक लगाया। यह उनका 50वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। पहले दो मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे कोहली अधिक प्रतिबद्ध दिखे। वनडे क्रिकेट के बेताज बादशाह ने अपने करियर का 75वां अर्धशतक लगाया। वह वनडे में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली को इस तरह खेलते देखना अच्छा लगा: शुभमन गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। शुभमन गिल ने शनिवार को कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार पारियों ने उन्हें भारत के वनडे कप्तान के तौर पर पहली जीत दिलाने में मदद की। गिल ने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट से मिली जीत को 'लगभग परफेक्ट मुकाबला' बताया।

रोहित शर्मा (नाबाद 121) ने अपना 33वां वनडे शतक जड़ा जबकि विराट कोहली (नाबाद 74) ने उनका पूरा सहयोग किया जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 236 रन लक्ष्य को लगभग 11 ओवर बाकी रहते हासिल कर लिया। भले ही भारत तीन मैच की श्रृंखला 1-2 से हार गया, गिल ने मैच के बाद कहा, ''मैच लगभग परफेक्ट रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए देखना अच्छा लगा। रोहित और कोहली कई साल से ऐसा कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करते हुए देखना अच्छा लगा। यह एक खास मैदान पर एक खास जीत थी। '' गिल ने चार विकेट झटकने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा और बीच के ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई टीम को शांत रखने के लिए स्पिनरों की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''हमने बीच के ओवरों में वापसी की। हमारे स्पिनरों ने बीच में बल्लेबाजों पर लगाम लगाए रखी और तेज गेंदबाजों ने जरूरी विकेट लिए। हर्षित ने बीच के ओवरों में तेज गेंदबाजी की। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने रोहित और कोहली की खास पारियों की तारीफ की लेकिन इस बात का अफसोस जताया कि वे तीन विकेट पर 195 रन के अच्छे स्कोर को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। मार्श ने कहा, ''हमने रोहित और विराट को 10 साल में कई टीमों के खिलाफ ऐसा करते देखा है। हमें अपनी पारी के आखिर में एक और साझेदारी की जरूरत थी।''

सुविचार

सपने देखने से ज्यादा जरूरी है उन सपनों के पीछे लगन और मेहनत से काम करना।

ट्वीट

ग्राम पंचायत कालूड़ी, कल्याणपुर और अरबा में नियमित सफाई कार्य नहीं पाए जाने पर संबंधित खंड विकास अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए; स्वच्छता कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

-मदन दिलावर

नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन!

-नरेन्द्र मोदी

कहानी

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

साथ-साथ

दोपहर का समय था। सूरज की तपिश खिड़की के शीशों को भेदकर कमरे के भीतर तक आ रही थी और हवा में एक बेचैन कर देने वाली गर्माहट घुली हुई थी। घर के भीतर, रोज़मर्रा की ज़िंदगी की धीमी, लयबद्ध खटर-पटर जारी थी। पति-पत्नी की दुनिया सामान्य दिख रही थी, पर उस दिन कुछ असाधारण घटने को था, जिसने उस सामान्यता को सदा के लिए भंग कर दिया। एक तुच्छ-सी बात, इतनी मामूली कि जिसे हवा का झोंका मानकर उड़ा दिया जा सकता था, उसने धीरे से अंगड़ाई ली। यह बात नहीं थी, एक अहंकार की सरगोशी थी जिसने आग लगा दी। पल भर में, ज़ुबान की नोकझोंक तीखे शब्दों में बदल गई और फिर हिंसा में उतर आई।

क्रोध के आवेश में, पति के हाथ उठे और उन्होंने पत्नी के गालों पर तीन थप्पड़ जड़ दिए। यह सिर्फ़ प्रहार नहीं था, यह विश्वास पर किया गया वार था। प्रेम और सम्मान की दीवार क्षण भर में डोल उठी।

जवाब में, अपमान की आग में जलती पत्नी ने प्रतिशोध में अपना सैंडिल उठाया और दे मारी। सैंडिल का एक सिरा पति के सिर को छूता हुआ निकल गया।

मामला शायद वहीं दम तोड़ देता, अगर यह सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच की बात रहती। लेकिन रिश्तेदारों ने इसे और तूल दे दिया। पति ने इसे अपनी तौहीन समझ ली। रिश्तेदारों ने इसे खानदान की नाक कटना तक कह दिया। रिश्तेदारों ने तो यहाँ तक कह दिया कि पति को सैंडिल मारने वाली औरत न वफादार होती है न पतिव्रता। इसे घर में रखना, अपने शरीर में मियादी बुखार पालने जैसा है।

प्रेम के धागों को अब समाज के तानों और रूढ़ियों की कैंची से बेरहमी से काटा जा रहा था। रिश्ता अब दो दिलों का नहीं, बल्कि दो सम्मानों की लड़ाई का मैदान बन चुका था। दोनों तरफ़ से आरोप-प्रत्यारोप का शीत युद्ध शुरू हो गया। वाणी के हर प्रहार में ज़हर घुला था। पति ने पत्नी को 'चरित्रहीनता' के कटघरे में खड़ा किया, तो पत्नी ने 'दहेज उत्पीड़न' का मुक़दमा दर्ज करा दिया। प्रेम और विश्वास का महल ताश के पत्तों की तरह ढह गया।

मुकदमे की हर सुनवाई पर दोनों कोर्ट में आते। एक-दूसरे को देखते ही उनकी आँखें टकरातीं, जिससे प्रतिशोध की चिंगारी निकलने लगतीं। उनके साथ रिश्तेदारों की पूरी फ़ौज होती, जिनकी हमदर्दी में भी बारूद मिला होता। कोर्ट में दाख़िल होते ही दोनों जानबूझकर मुँह फेर लेते, जैसे एक-दूसरे का अस्तित्व ही स्वीकार्य न हो। वकील और रिश्तेदार उन्हें अच्छी तरह समझाते कि 'क्या कहना है', और वे दोनों वही बोलते। शब्द उनके होते थे, पर आवाज़ में किसी और का क्रोध गूँजता था।

दो साल तक मुकदमा चला। और अंततः, वही हुआ जो सब चाहते थे - तलाक। छह साल के वैवाहिक जीवन और एक प्यारी-सी बच्ची के माता-पिता होने के बाद आज उनका बंधन टूट चुका था। पति-पत्नी दोनों के हाथों में अब तलाक के काग़ज़ों की प्रति थी। वे चुप थे। चेहरे शांत और निर्विकार। पहले जहाँ रिश्तेदारों की विशाल फ़ौज साथ होती थी, आज कुछ गिने-चुने लोग ही थे। वकील खुश थे, माता-पिता भी संतोष की साँस ले रहे थे, और रिश्तेदार अपनी 'जीत' का जश्न मना रहे थे। तलाकशुदा पत्नी चुप थी। पति खामोश था। यह महज़ इत्तेफाक था कि दोनों पक्षों के रिश्तेदार एक ही टी-स्टॉल पर इकट्ठे होते। और यह भी एक अद्भुत इत्तेफाक ही था कि तलाकशुदा पति और पत्नी, एक ही बेंच पर आमने-सामने जा बैठे। बधाई हो, स्त्री ने अपनी सपाट आवाज़ में कहा, आप जो चाहते थे, वही हुआ।

तुम्हें भी बधाई, पुरुष ने प्रत्युत्तर दिया, तुमने भी तो तलाक लेकर जीत हासिल कर ली। क्या तलाक जीत का प्रतीक होता है? स्त्री ने पूछा। तुम बताओ। पुरुष के इस सीधे सवाल पर स्त्री ने कोई जवाब नहीं दिया। वह चुपचाप बैठी रही। फिर बोली, तुमने मुझे चरित्रहीन कहा था। अच्छा हुआ... अब तुम्हारा एक चरित्रहीन स्त्री से पीछा छूटा। वह मेरी ग़लती थी, एक भयानक ग़लती, पुरुष के स्वर में पश्चाताप था, मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था। मैंने बहुत मानसिक तनाव झेला है, स्त्री ने सीधा सा जवाब दिया। मैं जानता हूँ। पुरुष अक्सर इसी हथियार से वार करता है, जो स्त्री के मन और आत्मा को लहूलुहान कर देता है। तुम बेदाग़ हो। मुझे तुम्हारे बारे में वैसी ओछी बातें नहीं करनी चाहिए थीं। मुझे बेहद अफ़सोस है। पुरुष की आँखें झुकी थीं।

स्त्री ने एक बार उसकी ओर देखा और फिर चुप हो गई। कुछ पल की चुप्पी के बाद पुरुष ने एक गहरी साँस ली। तुमने भी तो मुझे दहेज का लोभी कहा था। गलत कहा था, पुरुष की ओर देखती हुई स्त्री बोली। कुछ देर रुककर, उसने अपनी बात पूरी की, मैं कोई और आरोप लगाना चाहती थी, लेकिन मुझे नहीं लगाने दिया गया।

पेपर कप में चाय आ गई। स्त्री ने चाय उठाई, और चाय ज़रा-सी छलक गई। गर्म चाय हाथ पर जा गिरी, जिससे अनैच्छिक रूप से उसके मुँह से 'स्स्स...' की हल्की सी आवाज़ निकल गई।

उसी क्षण, पुरुष के कंठ से भी 'ओह' की ध्वनि निकली। स्त्री ने उसे देखा। वह टकटकी लगाए उसे देखे जा रहा था। तुम्हारा कमर दर्द कैसा है? पुरुष ने पूछा। वैसा ही है। कभी वोवरॉन, तो कभी कॉम्बिफ्लेम से काम चलाती हूँ, स्त्री ने बात खत्म करनी चाही।

तुम एक्सरसाइज़ भी तो नहीं करतीं, पुरुष ने कहा, तो स्त्री को फीकी-सी हँसी आ गई। अब तुम्हारा अस्थमा कैसा है? फिर से अटैक तो नहीं पड़ा? स्त्री ने पूछा। हाँ, अब ठीक है। डॉक्टर ने ठंडी चीज़ों से परहेज़ रखने को कहा है, पुरुष ने जानकारी दी। स्त्री उसे देखती रही, एकटक। जैसे उसके चेहरे पर छपे अदृश्य तनाव को पढ़ रही हो।

इन्हेलर तो लेते रहते हो न? स्त्री ने आँखें हटाकर पूछा। हाँ, लेता रहता हूँ। बस, आज लाना याद नहीं रहा। तभी आज तुम्हारी साँस उखड़ी-उखड़ी-सी है, स्त्री ने सच्चे हमदर्द के लहजे में कहा। हाँ, कुछ इस वजह से और कुछ... पुरुष कहते-कहते रुक गया। कुछ... तनाव के कारण, स्त्री ने वाक्य पूरा किया। पुरुष कुछ सोचता रहा, फिर बोला, मुझे तुम्हें बीस लाख रुपए देने हैं और दस हज़ार रुपए महीना भी। हाँ... फिर? स्त्री ने पूछा। वसुंधरा में फ़्लैट है... तुम्हें तो पता है। मैं उसे तुम्हारे नाम कर दूँगा, क्योंकि फ़िलहाल बीस लाख रुपए नकद मेरे पास नहीं हैं। पुरुष ने अपने मन का बोझ हल्का कर दिया। वसुंधरा वाले फ़्लैट की क़ीमत तो बीस लाख रुपए ही होगी? चलेगा, स्त्री ने स्पष्ट किया। बिटिया भी बड़ी हो रही है... सौ खर्च रहते होंगे, पुरुष ने कहा। वो तो तुम दस हज़ार रुपए महीना मुझे देते रहोगे, स्त्री बोली।

हाँ, ज़रूर दूँगा। बीस लाख अगर तुम्हारे पास नहीं है, तो मुझे मत देना, स्त्री ने कहा। उसके स्वर में अब पुराने संबंधों की गर्द नहीं, बल्कि कोमलता की नमी थी। पुरुष उसका चेहरा देखता रहा। कितनी सहज, सहृदय और सुंदर लग रही थी आज सुमन। यही स्त्री, जो कभी उसकी पत्नी हुआ करती थी।

स्त्री पुरुष को देख रही थी और सोच रही थी, 'कितना सरल और भोला स्वभाव का है यह पुरुष, जो कभी मेरा पति था। कितना प्रेम करता था। एक बार हरिद्वार में, जब गंगा स्नान के समय मेरे हाथ से ज़ंजीर छूट गई थी, तो यह बिना सोचे, पागलों की तरह उसे बचाने चला आया था। खुद तैरना नहीं आता था लाट साहब को और मुझे बचाने की कोशिश करता रहा! कितना अच्छा है... मैं ही बेवजह इसमें खोट निकालती रही।'

पुरुष एकटक स्त्री को देख रहा था और सोच रहा था, 'कितना ध्यान रखती थी मेरा! स्टीम के लिए पानी उबालकर जग में डाल देती थी। हमेशा मेरे लिए इन्हेलर खरीदकर लाती सेरेटाइड एक्यूहेलर, जो कितना महँगा होता था। हर महीने कंजूसी करती, पैसे बचाती और चुपचाप खरीद लाती। दूसरों की बीमारी की कौन इतनी परवाह करता है? यह करती थी। कभी ज़ाहिर भी नहीं होने देती थी। कितनी संवेदनशीलता थी इसमें। मैं अपनी मर्दानगी के अहंकार में चूर हो गया था। काश, मैं इसके जज़्बे को उस समय समझ पाता।' दोनों चुप थे। दोनों की आँखें भीगी हुई थीं, और वे एक-दूसरे को देखते रहे। मुझे एक बात कहनी है, पुरुष की आवाज़ में झिझक थी। कहो, स्त्री ने सजल आँखों से उसे देखा। डरता हूँ, पुरुष ने कहा। कहो, क्या तुम भी वही सोच रहे हो, जो शायद मैं सोच रही हूँ, स्त्री ने हिम्मत दी। तुम बहुत याद आती रही इतने दिन, पुरुष बोला। तुम भी, स्त्री ने कहा। मैं तुम्हें अब भी प्रेम करता हूँ। मैं भी, स्त्री ने कहा। दोनों की आँखें आँसुओं से भर गईं थीं। गला रुंध गया था और कुछ भी कहते नहीं बन रहा था। क्या हम दोनों जीवन को एक नया मोड़ नहीं दे सकते? पुरुष ने पूछा। कौन-सा मोड़? यही कि क्या हम फिर से एक साथ नहीं रह सकते? बिल्कुल पहले की तरह? क्यों नहीं, पर यह तलाक के कागज़? स्त्री ने अपने हाथ में पकड़े तलाक के दस्तावेज़ों की ओर इशारा किया।

फाड़ देते हैं इन्हें, पुरुष ने कहा।

और फिर उन दोनों ने अपने हाथ में पड़े तलाक के कागजातों को फाड़कर हवा में उछाल दिए।

दोनों ने एक-दूसरे के हाथ में हाथ डाला, मुस्कराए और वहाँ से उठ खड़े हुए। टी-स्टॉल पर बैठे दोनों पक्षों के रिश्तेदार हैरान-परेशान थे।

दोनों पति-पत्नी अब साथ-साथ अपने घर को जा रहे थे।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

ताला

दीपावली संपन्न हो चुकी है। त्योहार का ख़ुमार उतर रहा है। जीवन रोज़ के ढर्रे पर लौट रहा है। लगभग पाँच दिन बाद आज संध्या भ्रमण के लिए निकला हूँ। बहुधा मैं लिफ्ट का प्रयोग नहीं करता। अपने फ्लैट से सीढ़ियों द्वारा नीचे की मंज़िलें उतरते हुए देखता हूँ कि अधिकांश फ्लैटों के दरवाज़े पर ताला लगा हुआ है। कामकाजी दिनों में सुबह से शाम तक ताला दिखता है। आज शाम को दिख रहा है। संभव है कि लोग अपने परिजनों या परिचितों से दीपावली मिलने गए हों। यह भी हो सकता है कि पिछले चार-पाँच रोज़ से घर में होने से उकताकर आज आउटिंग या बाहर भोजन के लिए चले गए हों। अलबत्ता घरों के दरवाज़े पर ताला अब 'न्यू नॉर्मल' है।

स्मरण हो आता है कि माँ ने हमेशा प्रयास किया कि घर पर ताला न लगे। घर वही जो सदा खुला रहे, अपनों के लिए और अतिथियों के लिए भी।

उनकी पीढ़ी ने वह समय देखा था जब दरवाज़े भोर के समय खुलते और रात को ही बंद होते। पथिक, पंछी, पशु सबके लिए घर में भोजन बनता। चींटियों को आटा डाला जाता। बिल्ली को प्रसव पर हलवा बनाकर खिलाया जाता। कुत्तों के लिए रोटी बनती। पंछियों को दाना चुगाया जाता। गौ-ग्रास तो सदैव प्रथम स्थान पर था ही।

सामूहिक परिवार, समय के साथ एकल हुए। गाँव के बड़े, खुले, हवादार मकान छूटे। आदमी फ्लैटों के दड़बे में घुसा। बदली हुई परिस्थितियों और घटते मानव संसाधन के बीच ताला घर के दरवाज़े पर अपना स्थान मजबूती से बनाता चला गया।

निर्विवाद सत्य है कि वर्तमान जीवन शैली में दरवाज़े पर ताला अपरिहार्य है। दरवाज़े पर लटका स्थूल ताला सामान्यत: भीतर कुछ आने नहीं देता।

स्थूल का सूक्ष्म विश्लेषण करें कि ताला कहीं जड़ता की ओर तो नहीं ले जा रहा? हमारी सोच और मन पर जो ताला जड़ता जा रहा है, उससे बाहर कैसे आया जाए?

इसे भावुक चिंतन कहकर खारिज़ किया जा सकता है। तथापि मनुष्य चिंतन नहीं करेगा तो कौन करेगा? इसी चिंतन के चलते आदमी ने आदिम से आधुनिक की यात्रा की है। फिर कोई किसी क्षेत्र में कितना ही अग्रगण्य हो जाए, परिष्कार और परिमार्जन की संभावना सदा बनी रहती है।

चिंतन का निष्कर्ष है कि एंग्जायटी, डिप्रेशन भी अब 'न्यू नॉर्मल' की सूची में शामिल हैं। छोटी-छोटी बातों के लिए आज कौंसिलर के पास जाना पड़ता है। सहज संवाद छूट चला है, केवल एकालाप ही बचा है। मानसिक विरेचन के लिए आवश्यक रिश्तों पर ताला लगा है।

इन तालों पर 'बंदीगृह' शीर्षक की अपनी एक कविता स्मरण आ रही है-

बंदीगृह के सारे दरवाज़े खोल दो,
कारागार अप्रासंगिक हो चुके।
मजबूत फाटकों पर टंगे विशाल ताले
जड़े जा चुके हैं मनुष्य के मन पर,
हथकड़ियाँ, हाथों में
बेमानी लगती हैं,
वे, उग, जम, और कस,
रही हैं नसों में,
पैरों की बेड़ियाँ गर्भस्थ
शिशु के साथ ही
जन्मती और बढ़ती हैं,
क्षण-प्रतिक्षण
.....बस बुढ़ाती नहीं।
विसंगतियों के फंदे
फाँसी बनकर कसते जा रहे हैं,
यहाँ-वहाँ टहलते जानवर
रुपये के खूँटे से बंधे
आदमी पर तरस खा रहे हैं।
भूमंडलीकरण के दायरे में
सारा विश्व बड़े से बंदीगृह में
तब्दील हो चुका, इसलिए कहता हूँ-
बंदीगृह के सारे दरवाज़े खोल दो
कारागार अप्रासंगिक हो चुका।

मन पर जड़ते इन तालों को हथौड़े से तोड़ने की नहीं अपितु स्नेह, सामंजस्य और विश्वास की चाबी से खोलने की आवश्यकता है। माना कि एक आलेख भर से ताला टूटेगा नहीं, पर बीच-बीच में कुछ समय के लिए ही क्यों ना सही, दरवाज़ा खुला रखने का भाव भी जाग जाए तो चिंतन और लेखन सार्थक है।

इस वर्ष हम अपने-अपने, मन पर जड़े ताले खोलने की दिशा कुछ कदम भी आगे में बढ़ सकें तो चिरंजीव प्रकाश-उत्सव की आभा कई गुना बढ़ जाएगी।

शुभं अस्तु।

राजा का आदेश

बहुत पुरानी बात है। चंदनपुर में राजा तेज प्रताप सिंह का राज्य था। वे बहुत दयालु एवं परोपकारी थे। उनके राज्य में प्रजा बहुत खुश थी। सभी लोग धनवान थे। किसी को किसी वस्तु की कमी नहीं थी। सभी मिलजुलकर रहते थे। एक बार राजा तेज प्रताप सिंह जंगल में घूमने गये। वहां उन्होंने तरह तरह के जानवर देखे। शेर, चीते , भालू , हिरन और खरगोश देखने में बहुत सुन्दर लग रहे थे। राजा ने सोचा --इतने सुन्दर जानवरों को चंदनपुर के लोग देखेंगे ,तो बहुत खुश होंगे। इसलिए राजा ने जानवरों से कहा कि वे चंदनपुर चलें। चंदनपुर में उनका विशेष ध्यान रखा जायेगा।

हिरन और खरगोश डर के कारण चंदनपुर नहीं आये। शेर , चीते और भालू चंदनपुर आ गये। लोगों ने उन्हें देखा तो बहुत अच्छा लगा। बच्चे उन्हें देखकर खुश भी हुए किन्तु उनको थोड़ा थोड़ा डर भी लगा। रात को जब सभी लोग सो जाते ,तब शेर ,चीते और भालू किसी की गाय , किसी की भैंस और किसी की बकरी को खा जाते। जब लोगों को मालूम हुआ तो उन्होंने राजा से शेर , चीते और भालू की शिकायत की। राजा ने कहा जो मिलजुलकर नहीं रहे और दूसरों का नुकसान करे उसको दूर भगा देना ही ठीक रहता है। राजा ने सैनिकों को आदेश दिया कि वे शेर , चीते और भालू को जंगल की ओर भगा दें। सैनिकों ने तीर मारकर शेर , चीते और भालू को जंगल की ओर भागने के लिए मजबूर कर दिया। जो दूसरों का नुकसान करे , उसको अपने साथ कोई भी नहीं रखना चाहेगा। शेर , चीते और भालू अब जंगल में ही रहते हैं। उनके जाने के बाद चंदनपुर के लोग फिर से सुख से रहने लगे।

बोध कथा

हाथी और गौरैया

किसी पेड़ पर एक गौरैया अपने पति के साथ रहती थी। वह अपने घोंसले में अंडों से चूजों के निकलने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। एक दिन की बात है गौरैया अपने अंडों को से रही थी और उसका पति भी रोज की तरह खाने के इन्तेजाम के लिए बाहर गया हुआ था। तभी वहां एक गुस्सैल हाथी आया और आस-पास के पेड़ पौधों को रौंदते हुए तोड़-फोड़ करने लगा। उसी तोड़ फोड़ के दौरान वह गौरैया के पेड़ तक भी पहुंचा और उसने पेड़ को गिराने के लिए उसे जोर-जोर से हिलाया, पेड़ को काफी मजबूत था इसलिए हाथी पेड़ को तो नहीं तोड़ पाया और वहां से चला गया, लेकिन उसके हिलाने से गौरैया का घोसला टूटकर नीचे आ गिरा और उसके सारे अंडे फूट गए। गौरैया बहुत दुखी हुयी और जोर जोर से रोने लगी, तभी उसका पति भी वापस आ गया, वह भी बेचारा बहुत दुखी हुआ और उन्होंने हाथी से बदला लेने और उसे सबक सिखाने का फैसला किया।

वे अपने एक मित्र; जो कि एक कठफोड़वा था; के पास पहुंचे और उसे सारी बात बताई। वे हाथी से बदला लेने के लिए कठफोड़वा की मदद चाहते थे। उस कठफोड़वा के दो अन्य दोस्त थे; एक मधुमक्खी और एक मेंढक। उन्होंने मिलकर हाथी से बदला लेने की योजना बनाई।

तय योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने काम शुरू किया। उसने हाथी के कान में गाना गुनगुनाना शुरू किया। हाथी को उस संगीत में मजा आने और जब हाथी संगीत में डूबा हुआ था, तो कठफोड़वा ने अगले चरण पर काम करना शुरू कर दिया। उसने हाथी की दोनों आँखें फोड़ दी। हाथी दर्द से कराहने लगा।

उसके बाद मेंढक अपनी पलटन के साथ एक दलदल के पास गया और सब मिलकर टर्राने लगे। मेंढकों का टर्राना सुनकर हाथी को लगा कि पास में ही कोई तालाब है। वह उस आवाज की दिशा में गया और दलदल में फंस गया। इस तरह से हाथी धीरे-धीरे दलदल में फंस गया और मर गया।

वीर गाथा

डीएसपी हुमायूं मुज्जमिल भट्ट : हर आतंकी साजिश को नाकाम करेंगे भारत मां के ऐसे बेटे

डीएसपी हुमायूं मुज्ज़मिल भट्ट का जन्म 21 अक्टूबर, 1989 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के गांव मिधूरा में हुआ था। माता हलीमा अख्तर और पिता गुलाम हसन भट्ट के बहादुर बेटे हुमायूं ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीनगर के एक स्कूल से प्राप्त की थी। बाद में इंजीनियरिंग की डिग्री ली थी। हुमायूं ने कुछ समय के लिए समाज कल्याण विभाग में काम किया था। वे साल 2018 में परीक्षा उत्तीर्ण कर पुलिस सेवा में आए थे। उनके पिता भी बतौर पुलिस महानिरीक्षक जम्मू-कश्मीर में सेवा दे चुके हैं।

हुमायूं हमेशा आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते थे। 13 सितंबर, 2023 को जब अनंतनाग जिले के एक गांव के घने जंगलों में आतंकवादियों के खिलाफ एसओजी का अभियान चलाया जा रहा था तो वे अपने जवानों का नेतृत्व करने के लिए सबसे आगे थे।

जब आतंकवादियों ने खुद को चारों ओर से घिरते देखा तो वे बुरी तरह घबराए और जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे थे। हुमायूं भट्ट ने अपनी जान की परवाह न करते हुए आगे बढ़कर जवाबी गोलीबारी की थी।

इस दौरान हुमायूं को गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फिर भी, उन्होंने मुठभेड़ जारी रखी। उन्होंने बहुत हिम्मत और साहस का परिचय देते हुए अपने जवानों का नेतृत्व किया। इसका नतीजा यह रहा कि एक खूंखार आतंकवादी का खात्मा हो गया।

उस मुठभेड़ में डीएसपी हुमायूं मुज्ज़मिल भट्ट शहीद हो गए थे। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया। पाकिस्तान अपने संसाधनों को बर्बाद कर चाहे जितने आतंकवादी तैयार कर ले, जब तक भारत मां के पास हुमायूं भट्ट जैसे बेटे हैं, वे हर आतंकी साजिश को नाकाम कर देंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र की अवधारणा बाहरी है, उसे कब्जे वाले क्षेत्रों में दमन बंद करना चाहिए: भारत

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र को एक बाहरी अवधारणा बताते हुए उससे अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को 'यूनाइटेड नेशंस ऑर्गेनाइजेशन: लुकिंग इंटू फ्यूचर' विषय पर आयोजित खुली बहस में पाकिस्तानी दूत के उल्लेखों का जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि व राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुसार अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से जानते हैं कि ये (लोकतांत्रिक) अवधारणाएं पाकिस्तान के लिए बाहरी हैं।

दूत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न व अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।

हरीश ने कहा, हम पाकिस्तान से अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों में मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन को रोकने का आह्वान करते हैं, जहां की जनता पाकिस्तान के सैन्य कब्जे, दमन, क्रूरता व संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुला विद्रोह कर रही है।

हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को वास्तविक, व्यापक सुधार करने होंगे और 80 साल पुरानी सुरक्षा परिषद की संरचना अब समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। उन्होंने कहा, 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाली एक पुरानी परिषद संरचना 2025 की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं है। भारतीय दूत ने सुरक्षा परिषद की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्णय लेने में ग्लोबल साउथ की आवाज को तवज्जो दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुधारों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना हमारे नागरिकों, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।

हरीश ने कहा, ग्लोबल साउथ बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और इसकी अपनी अनूठी चुनौतियां हैं, विशेष रूप से विकास, जलवायु व वित्तपोषण के क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक व समावेशी होनी चाहिए।

गुड़गांव और हैदराबाद में प्रस्तुति देंगे अमेरिकी गायक पिटबुल

नई दिल्ली/भाषा। पिटबुल के नाम से मशहूर अमेरिकी रैपर-गायक अर्मांडो क्रिश्चियन पेरेज फिर से भारत आने वाले हैं। वह गुड़गांव और हैदराबाद में प्रस्तुति देंगे।

पिटबुल के लोकप्रिय ट्रैक में टिम्बर, होटल रूम सर्विस, नो लो ट्रेट्स शामिल हैं।

इससे पहले उन्होंने 2011, 2017 और 2019 में भारत में प्रस्तुति दी है।

उनका संगीत कार्यक्रम पिटबुल: आई एम बैक दौरे का हिस्सा होगा, जो 6 दिसंबर को गुड़गांव के हुडा ग्राउंड में होगा। इसके बाद 8 दिसंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में वह एक और प्रस्तुति देंगे।

मोदी के 'पहिले-पहिल' गीत की सराहना करने पर खुश हुई नीतू चंद्रा

पटना/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मों का मशहूर चेहरा रहीं नीतू चंद्रा 'गरम मसाला' और '13बी' जैसी फिल्मों से फैंस का दिल जीत चुकी हैं और अब वह फिल्मों को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। नीतू चंद्रा की फिल्म 'छठ' 24 अक्टूबर को वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। उन्होंने अब अपनी फिल्म और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर सराहना की है।

अपनी पारिवारिक फिल्म 'छठ' को लेकर नीतू चंद्रा ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, फिल्म 'छठ' वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है, हमारी फिल्म को देखिए और भरपूर प्यार दीजिए। फिल्म में सुनिधि चौहान, अलका याग्निक और शारदा सिन्हा की भी आवाज सुनने को मिलेगी। फिल्म की कहानी को लेकर नीतू चंद्रा ने कहा कि 'छठ' एक पारिवारिक फिल्म है, जो चाचा-भतीजे के रिश्ते पर बनी है कि कैसे कितनी भी लड़ाई के बाद सभी लोग मिलकर छठ का पूजन करते हैं।

'पहिले-पहिल छठी मैया' को आज ही पीएम मोदी ने छठ के मौके पर ट्वीट किया और लिखा, छठ महापर्व के शुभारंभ पर मैं आज आप सभी के साथ छठी मईया के ऐसे गीतों को साझा कर रहा हूं, जिन्हें सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाएगा। इस गाने को भी नीतू चंद्रा ने 8 साल पहले प्रोड्यूस किया था और शारदा सिन्हा ने अपनी आवाज से सबका दिल जीता था। पीएम मोदी की सराहना मिलने के बाद अभिनेत्री नीतू चंद्रा काफी खुश हैं और उन्होंने गाने को सपोर्ट करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया है।

नीतू चंद्रा ने कहा कि पीएम मोदी का दिल से शुक्रिया और उनके एक ट्वीट से पूरे बिहार को प्रेरणा और शक्ति मिली है। बस छठी मईया से यही कहना है कि वैसे ही बिहार में हमारे काम और गानों को बढ़ाती रहें। छठ के मौके पर नीतू चंद्रा ने आईएएनएस के साथ शारदा सिन्हा का गाना 'पहिले-पहिल छठी मैया' भी गुनगुनाया। बता दें कि नीतू चंद्रा बिहार इलेक्शन कमीशन की स्वीप आइकॉन भी हैं।

प्रदर्शन

केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर सबरीमाला मंदिर में स्वर्ण-पल्लवन में कथित अनियमितताओं को लेकर पार्टी के दिन-रात के विरोध प्रदर्शन के दौरान राज्य सचिवालय के बाहर बोलते हुए।

गुड्डी मारुति की छोटे पर्दे पर वापसी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडियन और अभिनेत्री गुड्डी मारुति लंबे समय के बाद छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। फिल्मों में अपने शानदार कॉमिक किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली गुड्डी इस बार टीवी शो 'उड़ने की आशा' में एक बिल्कुल नया और दिलचस्प रोल निभाने वाली हैं। उनके फैंस के लिए यह खुशी का मौका है, क्योंकि उनके जबरदस्त अभिनय ने हमेशा से दर्शकों का दिल जीता है।गुड्डी मारुति ने अपने इस टीवी करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि लंबे समय के बाद फिर से टीवी पर लौटना उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव है। उनका कहा, ''मैं 'उड़ने की आशा' में अपने किरदार को लेकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह बेहद रोचक और चुनौतीपूर्ण है। इसमें थोड़ी कॉमेडी, थोड़ी नकारात्मकता और कई अलग-अलग रंग हैं, जो इसे और भी मजेदार बनाते हैं। मुझे ऐसे किरदार का इंतजार था, क्योंकि यह पारंपरिक कॉमिक रोल से बिल्कुल अलग है।''

राज्यसभा चुनाव जीतने के एक दिन बाद जम्मू और कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा शनिवार को जम्मू स्थित पार्टी कार्यालय पहुँचे।

नए शहर को समझने के लिए एक्ट्रेस सैयामी खेर का अपना अलग है स्टाइल

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल सैयामी खेर ने हाल ही में रोम में अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लिया। अपनी व्यस्त जीवनशैली के बावजूद,सैयामी ने अपनी यात्रा को खास बनाने के लिए दो चीजों को जोड़ा, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद हैं।पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर की यात्रा करती हैं तो वहां की सड़कों पर हाफ मैराथन दौड़ना उनका एक शहर को महसूस करने का एक तरीका होता है। सैयामी ने इस बार अपनी छुट्टियां अपने माता-पिता और बहन के साथ बिताईं। उन्होंने रोम के खूबसूरत नजारों, ऐतिहासिक जगहों और स्वादिष्ट इटालियन व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने रोम हाफ मैराथन में भी हिस्सा लिया। सैयामी ने कहा, ''मेरे लिए शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका पैदल या दौड़कर घूमना है। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रमुख जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा महसूस की।'' सैयामी ने आगे बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बहुत अच्छा था और हवा ताजी थी। शहर के हर कोने में इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी, जो दौड़ को और भी खास बना रही थी। उन्होंने कहा, ''कुछ पल ऐसे भी आए जब मुझे लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और शहर के माहौल का आनंद ले रही थी। 21 किलोमीटर दौड़ने के बाद मैंने पिज्ज़ा और आइसक्रीम खाई और मैंने हर निवाले का पूरा आनंद लिया।'' फैंस इन दिनों सैयामी की आने वाली फिल्म 'हैवान' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगे।

जब शाहरुख खान को हंसता देख आग बबूला हो गए थे सतीश शाह

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर हास्य अभिनेता सतीश शाह का शनिवार को निधन हो गया है। फिल्मकार अशोक पंडित ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की। सतीश शाह ने करीब 4 दशकों तक हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया। इस दौरान उन्होंने कई हिट फिल्मों और टीवी सीरियल्स में अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता।उनकी अदाकारी इतनी रियल होती थी कि उनके साथ काम करने वाले एक्टर शूटिंग करने की बजाय हंस-हंसकर लोटपोट हो जाया करते थे। ऐसा ही एक वाकया फिल्म 'मैं हूं ना' की शूटिंग के दौरान हुआ। दरअसल, एक सीन को फिल्माते समय उनकी एक्टिंग और कमाल की कॉमिक टाइमिंग देख शाहरुख खान की हंसी छूट गई थी, लेकिन सतीश शाह ने उसे शॉट खराब करने की कोशिश समझा और डायरेक्टर फराह खान से फिल्म छोड़ने की बात कह दी। मामला बिगड़ते देख शाहरुख खान आगे आए और उन्होंने सतीश शाह की गलतफहमी दूर की। यह किस्सा खुद उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में शेयर किया था। सतीश शाह ने बताया था कि फिल्म 'मैं हूं ना' के डायरेक्टर फराह खान ने उन्हें दो किरदार ऑफर किए थे। पहला था कॉलेज के प्रिंसिपल का और दूसरा था एक थूकने वाले प्रोफेसर का।

यह किरदार लेक्चर या बात करते समय थूक फेंकता था। सतीश को लगा कि ये रोल उनकी कॉमिक स्टाइल से मैच करेगा और वाकई ये उनके करियर का एक यादगार हिस्सा बन गया। 'मैं हूं ना' की शूटिंग शुरू हुई। सतीश ने मिरर के सामने उस लहजे में बोलने की प्रैक्टिस की, लेकिन सेट पर पहुंचे तो हालात उलट गए। पहले ही टेक में सतीश ने जब डायलॉग बोला, क्लास, अटेंशन! और 'थूकने' का ऐक्ट किया तो साथी कलाकार शाहरुख खान, सुष्मिता सेन समेत वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। सतीश को लगा कि उनसे शॉट गलत हो गया, लेकिन फराह खान ने कट न कहकर कहा- 'परफेक्ट! फिर से। दूसरे टेक में फिर वहीहंसी का दौर। 8 टेक तक ऐसे ही चलता रहा, कभी शाहरुख की आंखों में आंसू आ जाते, कभी सुष्मिता कंधे हिला-हिलाकर हंसतीं। यह देख सतीश का चेहरा लाल हो गया। वे इतने परेशान हो गए कि मन बना लिया कि अब वह यह फिल्म छोड़ देंगे, सब उनका मजाक उड़ा रहे हैं। सतीश गुस्से में फराह खान के पास गए और बोले, ये क्या हो रहा है? अगर ऐसे ही चलेगा तो मैं जा रहा हूं। तभी शाहरुख ने बीच में कूदकर कहा, सर, रुकिए! समस्या ये है कि आपकी एक्टिंग इतनी रियल है कि हम अपनी हंसी रोक नहीं पा रहे, लेकिन सीन तो पूरा करना है। फिर टीम ने इसे शूट करने का आइडिया निकाला। सतीश शाह के शॉट्स अलग से फिल्माए गए और बाकी कलाकारों के अलग। आखिरी में जब एडिटिंग हुई, तो सीन परफेक्ट लग रहा था। जब फिल्म रिलीज हुई, तो दर्शक ठहाकों से लोट-पोट हो गए। सतीश शाह के इस किरदार की आज भी लोग नकल करते दिखाई देते हैं।

नहीं रहे सबको गुदगुदाने वाले सतीश शाह

नई दिल्ली/एजेन्सी

कॉमेडी फिल्म में अपने रोल से सबको गुदगुदाने वाले एक्टर सतीश शाह का निधन हो गया है। निधन की खबर से फैंस के बीच शोक की लहर दौड़ पड़ी है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने एक्टर के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्टर के निधन की जानकारी देते हुए भावुक पोस्ट डाला है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने सतीश रविलाल शाह की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और लिखा है, आपको यह बताते हुए दुख और आश्चर्य हो रहा है कि हमारे प्रिय मित्र और एक बेहतरीन अभिनेता सतीश शाह का कुछ घंटे पहले किडनी फेल होने के कारण निधन हो गया। उन्हें हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। हमारे उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। अशोक पंडित ने एक्टर के घर का पता भी सोशल मीडिया पर डाला है। सतीश शाह का जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। वह टीवी और सिनेमा का हंसाने और गुदगुदाने वाला चेहरा थे। उन्होंने अपनी बेमिसाल एक्टिंग के दम पर अलग पहचान बनाई। उन्होंने टीवी पर छोटा रोल हो या पर्दे पर बड़ा रोल, दोनों को पूरे मन से निभाया है। शाह ने अपने करियर की शुरुआत 1970 में फिल्म 'भगवान परशुराम से की थी, लेकिन ये फिल्म एक्टर को पहचान नहीं दिला पाई। फिर उन्हें साल 1978 में आई अरविंद देसाई की फिल्म 'अजीब दास्तान' में देखा गया। इस फिल्म में एक्टर का रोल छोटा था, जिसके बाद उन्हें 1983 की फिल्म 'जाने भी दो यारों' में देखा गया और ये फिल्म उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई थी। आखिरी बार सतीश शाह को फिल्म 'हमशक्ल' में देखा गया था, जो 2014 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सैफ अली खान, रितेश देशमुख और राम कपूर जैसे स्टार्स लीड रोल में थे। इसी फिल्म में एक्टर ने छोटा सा साइड रोल किया था। इस फिल्म का निर्देशन साजिद खान ने किया था और फिल्म पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी।

पर्सनल लाइफ में सतीश शाह बहुत सिंपल इंसान थे। उन्हें पार्टियों में जाना पसंद नहीं था और वह घर का खाना ज्यादा पसंद करते थे। एक इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया था कि मैं उन कुछ लोगों में से एक हूं जिन्हें घर का बना खाना पसंद है और मेरे घर का खाना किसी भी पार्टी के खाने जितना अच्छा होता है।

सिंगल मदर होना आसान नहीं : शुभांगी अत्रे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं। उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा। क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है।

'जटाधारा' के क्लाइमैक्स के लिए सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा ने की 24 घंटे लगातार शूटिंग!

मुंबई/एजेन्सी

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत सुपरनैचुरल स्पेक्टेकल 'जटाधारा' की रिलीज़ में अब बस दो हफ्ते बचे हैं और दर्शकों का उत्साह चरम पर है। इसके धमाकेदार टीज़र से लेकर रोंगटे खड़े कर देने वाले ट्रेलर तक, हर झलक ने इस फिल्म के प्रति दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ा दिया है, जो भारतीय सिनेमा में एक बिल्कुल अनोखा अनुभव होगा।हालांकि इन सबमें एक और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है, जिसके तहत फिल्म के भव्य क्लाइमैक्स की शूटिंग के लिए दोनों लीड कलाकारों ने कई दिनों तक लगातार 24 घण्टे शूटिंग कर फ़िल्म के प्रति अपने समर्पण और सहनशक्ति का परिचय दिया, जो भारतीय सिनेमा में बहुत ही कम देखने को मिलती है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित 'जटाधारा' एक विजुअली स्टनिंग सुपरनैचुरल घटनाओं से भरपूर है, जिसमें पौराणिक कथाओं, ब्लैक मैजिक, प्राचीन श्राप और एक रहस्यमयी खजाने की खोज को जोड़ा गया है। प्रकाश और अंधकार के महाकाय युद्ध से सजा

फ़िल्म का क्लाइमैक्स, टीम के अनुसार फ़िल्म का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण सीक्वेंस है, जिसमें विशाल सेट्स, जटिल एक्शन प्लानिंग और बेहद भावनात्मक परफॉर्मेंस शामिल थीं। यही वजह है कि इस सीन में इन दोनों कलाकारों ने अपनी शारीरिक ही नहीं, मानसिक क्षमता का परिचय देते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

प्रोड्यूसर शिविन नारंग ने इस कठिन शेड्यूल के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा, फ़िल्म का क्लाइमैक्स 'जटाधारा' की आत्मा है। यह वह जगह है जहां प्रकाश और अंधकार की दो शक्तिशाली ताकतें टकराती हैं। हम इसे हर तरह से बड़ा महसूस कराना चाहते थे और इसके लिए सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरह का डेडिकेशन दिखाया, वह सिर्फ डेडिकेशन नहीं, बल्कि डिवोशन है। उन्होंने तीन दिनों तक लगातार 24 घंटे तक शूटिंग की और अपनी पूरी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक ऊर्जा झोंक दी। यह उन सबसे कठिन और महत्वाकांक्षी क्लाइमैक्स में से एक है जिसे आप बड़े पर्दे पर देखेंगे।

गौरतलब है कि 'जटाधारा' को ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा पेश किया गया है और इसे उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है। अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं। दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में और भाविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर के रूप में जुड़ी हैं। फिल्म का इमर्सिव साउंडस्केप ज़ी म्यूजिक कंपनी द्वारा तैयार किया गया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में रिलीज़ होने जा रही 'जटाधारा', दर्शकों के लिए एक सांसें थमा देने वाला सिनेमैटिक अनुभव साबित होगी। यह एक ऐसी थ्रिलिंग यात्रा है, जहां आस्था और भय की जंग में मिथक पागलपन से टकराते हैं।

साधु महापुरुषों का जीवन मानवता के लिए दीपस्तंभ है : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सनगार्डन जैन स्थानक में कर्नाटक गजकेसरी गणेशलालमुनि की 146वीं एवं जैन दिवाकर चौथमलमुनि की 148वीं जयंती धर्म ध्यान पूर्वक मनाई गई। साध्वी आगमश्री ने कहा कि तपस्वी साधु महापुरुषों का जीवन मानवता के लिए दीपस्तंभ है। गणेशलालमुनि का जीवन घोर तप, अडिग संयम और निर्भीक सत्यप्रियता का प्रतीक था।

उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी धर्म की मर्यादा का पालन किया। मुनिश्री आत्मबल और त्याग के साथ उग्र विहार किया करते थे। वे चातुर्मासों में कठोर तप, मौन साधना और आत्मनिष्ठ ध्यान में लीन रहे। जैन दिवाकर चौथमलमुनि का जीवन ज्ञान, करुणा और जन-जागरण का अद्भुत संगम था। उन्होंने समाज में अहिंसा, समता और सादगी का संदेश फैलाया। चौथमलमुनि ने अपने प्रवचनों से अनगिनत लोगों के जीवन की दिशा बदली। उनका जीवन जीव और जीव के प्रति मैत्री भाव का सुंदर उदाहरण था। उन्होंने कहा कि हमें इन महापुरुषों के पदचिन्हों पर चलकर जिनशासन के प्रति समर्पण को जीवन का अंग बनाना चाहिए।

साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि हर जीव में परमात्मा बनने की क्षमता है। कोई भी जाति या परिस्थिति मोक्ष में बाधक नहीं है, यदि मन शुद्ध हो तो हर आत्मा मुक्त हो सकती है। जैसे दीपक अंधकार को मिटाता है, वैसे ही संयम जीवन के अंधकार को दूर करता है।

प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने बताया कि सभा में साध्वी धैर्याश्री के संसारपक्षी परिवार जनों का स्वागत किया गया। चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जनराज बोहरा ने संचालन किया।

सत्कार्य कर जीवन को करें सफल : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जीवन सभी जीते हैं। श्वास लेना ही सब कुछ नहीं होता है। खाना खाकर स्वाद लेना ही जिंदगी नहीं है। अपना पेट तो सभी भरते हैं लेकिन दूसरों का ख्याल रखने वाले मानव का जीवन सफल होता है। अपना अपना देख के जीवन सफल नहीं होगा। जिंदगी चार दिन की है। अगर यह ऐसे ही निकल गई तो जीवन बर्बाद हो जाएगा। जीवन मिला है तो खाने पीने में गंवाना नहीं चाहिए। अपने साथ दूसरों का भी खयाल रखना चाहिए। पेट ही भरते रहेंगे तो जीवन नर्क की ओर बढ़ता चला जाएगा। यह जीवन बहुत ही अनमोल है। ऐसा जीवन मिलना बहुत मुश्किल है। अगर मिला है तो मोक्ष मार्ग पर बढ़ने का प्रयास करें। कोई भी मानव बिना खाए नहीं रह सकता है इसके बावजूद दूसरे भूखे की तकलीफ नहीं समझ पाता है। जीवन की सफलता दूसरों की सेवा में ही है। यह तन बहुत मुश्किल से मिला है। चार दिनों की जिंदगी है तो सेवा सत्कार करते रहना चाहिए। इस चार दिनों की जिंदगी में गलत कार्य करने से बच जाना चाहिए।ङ्गसंतश्री ने कहा कि मानव मुट्ठी बांध कर आया है और वैसे ही जाना है। इसलिए अपने साथ दूसरों की तकलीफ को समझते हुए जीवन को सफल बना लेना चाहिए। यह भव बहुत ही अनमोल है। गया तो वापस मिलना नहीं है। इसलिए सत्कार्यों में ज्यादा ध्यान दें। जीवन में दिल बड़ा रखो।

हर किसी के प्रति दिल बड़ा रखें किसी के प्रति भेदभाव नहीं रखना चाहिए। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने स्वागत किया। कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को मध्यान्ह 2 बजे के प्रवचन में तीर्थंकर महावीर ज्ञान ट्रस्ट द्वारा आराधक पुरस्कार दिए जाएंगे, साथ ही अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

सत्संग, साधना करने से होती है मन की शुद्धि : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित डॉ. वरुण मुनि जी महाराज ने तुरकिया भवन में अपने प्रवचन में कहा कि धर्म स्थानक का भाव है कि मन में ही धर्म का निवास हो। धन, विद्या, संपत्ति, रूप, पदवी इन सबसे बढ़कर है - धर्म। उन्होंने कहा कि क्षमा और सत्य से ऊपर कोई धर्म नहीं। उन्होंने कहा कि भवन को मात्र भोजनशाला नहीं बनाना चाहिए। धर्म स्थान का अर्थ है जहाँ साधना का कार्यक्रम बने। उन्होंने कहा कि सत्संग, साधना करने से मन की शुद्धि होती है। मुनि जी ने कहा कि धर्म केवल धर्म स्थान में ही नहीं, बल्कि सभी स्थानों पर होता है।

सत्संग में समय बिताने से जीवन का कल्याण होता है, लेकिन यदि जीवन विषय-विकारों में बीतता है, पैसा मौज-मस्ती में खर्च होता है और समय कुसंगति में गुजरता है, तो जीवन व्यर्थ है। इसलिए जवानी, धन और समय का सदुपयोग करके जीवन को सफल बनाया जा सकता है। जिस प्रकार वॉशिंग मशीन में कपड़े साफ होते हैं, उसी प्रकार सत्संग से जीवन पवित्र होता है। ङ्गसंतश्री ने कहा कि यदि दुखों से मुक्ति चाहते हो, तो धर्म की शरण में आना होगा। धर्म आत्मा की चीज़ है, जब तक हृदय में धर्म नहीं आएगा, कल्याण नहीं होगा। दान करने के पीछे कोई कामना नहीं होनी चाहिए, क्योंकि कामना करने से फल कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज धर्म को अपनाने के बजाय धर्म का दिखावा किया जा रहा है। धर्म पगड़ी के समान और धन जूते के समान है, पर आज इंसान ने उल्टा कर रखा है धन को सिर पर उठा लिया है और धर्म को बेकार समझ बैठा है लेकिन यदि सच्चे मन से धर्म किया जाए, तो आत्मा का कल्याण हो जाता है। रूपेश मुनि जी महाराज ने मधुर भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

गौशाला में शेड बनाकर, गौसेवा कर चातुर्मास की स्मृतियों को स्थायी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में साध्वी शशिप्रभाजी, इंदुप्रभाजी, निपुणप्रभाजी, वृद्धिप्रभाजी, रिद्धिप्रभाजी के वर्ष 2025 के चातुर्मास की स्थाई स्मृति में अलसूर संघ ने गौमाता की सेवार्थ कृष्ण गौशाला, हेनूर में एक विशाल विश्राम स्थल निर्मित करवा कर गौशाला के संचालक संतश्री पुखराजजी को सुपुर्द किया। अनेक सहयोगियों के सहयोग से निर्मित शेड का उद्घाटन अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया और संत श्री पुखराज जी ने नाम अनावरण कर और फीता खोल कर किया। ङ्गगौशाला परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अभय कुमार बांठिया ने कहा कि सनातन संस्कृति में गाय को पूज्य और माता का स्थान दिया है।

गौमाता की सेवा का अवसर हमारे जीवन की श्रेष्ठ उपलब्धि है। वह दिन धन्य होगा जब भारत की पुण्य धरा से गौ हत्या संपूर्ण रूप से निषेध हो जाएगी। गाय की सेवा के लिए दान देने वाले से ज्यादा दान लेने वाले महत्वपूर्ण हैं जो हमें गौ सेवा का अवसर दे रहे हैं। संतश्री पुखराज जी ने कहा कि अलसूर संघ ने अनुकरणीय सेवा की है। यह शेड नहीं बल्कि एक मंदिर का निर्माण हुआ है। गाय के गोबर से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन जाती है।

हम गाय पर दया करेंगे तो गौमाता हमें हमेशा याद रखेगी। प्रभु का आदेश हो तो ही दान का अवसर मिलता है, इसलिए दान में हम कभी पीछे नहीं रहें और घर में नारी का सम्मान करें। अलसूर संघ के प्रयास से निर्मित विश्राम स्थल के लिए जैन युवक अलसूर ने धन संग्रह और निर्माण कार्य में सहयोग किया। अलसूर महिला मंडल एवं नवकार बहू मंडल ने ज्ञान पांचम प्रसंग पर गौशाला को पंखे भेंट किए। इस अवसर पर अलसूर संघ, जैन युवक संघ, महिला मंडल, नवकार बहू मंडल एवं एनएससी स्कूल के बच्चे भी उपस्थित थे।

भाव से की गई साधना ही अभिष्ट फल देने वाली : उप प्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोक्ष के चार मार्ग में यथा दान, शील, तप और भाव में चौथे भाव तत्व मार्ग की प्रधानता है। भव से पार लगाने वाला आपका भाव ही है। अनादिकाल से यह आत्मा चतुर्गति रूप संसार में परिभ्रमण कर रही है। जब तक आत्मा में प्रशस्त भाव नहीं आएगा तब तक साधक के मुक्ति का मार्ग प्रशस्त नहीं होगा। जीव रूपी रेल में दान, शील, तप के डिब्बों के साथ जब तक भाव रूपी इंजिन नहीं जुड़ेगा तब तक आत्मा की मुक्ति मोक्ष रूपी स्टेशन तक पहुंचने में जीव की यथार्थ रूप से उस दिशा में गति, प्रगति और विकास संभव नहीं है। ङ्गसंतश्री ने कहा कि बिना भाव के की गई साधना सही दिशा में फलीभूत नहीं होती है। मुनिश्री ने भव, भाव और भावना के स्वरूप को आगम में वर्णित मरुदेवी माता, कपिला दासी और नागश्री ब्राह्मणी के दृष्टांत सुनाते हुए बताया कि शुभ भावों से जीव मुक्ति को प्राप्त करते हैं तो अशुभ भाव से किया गया कार्य जीव को नारकी का मेहमान बनने को बाध्य करता है।ङ्गउन्होंने कहा कि नदी के दो किनारों की तरह प्रशस्त भाव और अप्रशस्त भाव की भूमिका साधना की सिद्धि में अहम होती है।

शालिभद्र मुनिजी ने एक प्रेरक भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री सुप्रभा जी ने श्रावक के बारह व्रतों पर प्रकाश डालते हुए साधक को मर्यादित जीवन जीने की प्रेरणा दी। महासाध्वी पुनीत ज्योति जी के आज आठ उपवास की तपस्या गतिमान है। रविवार को आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी की जयंती दो-दो सामायिक साधना के साथ मनाई जाएगी।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की 'कला दर्पण' संस्था द्वारा मलथहल्ली स्थित कला ग्राम में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, कला दर्पण की प्रमुख हेमा विनायक एवं अन्य।

हनुमंतनगर में 'अंकुरम गर्भ शिशु संस्कार' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल हनुमंतनगर द्वारा 'अंकुरम गर्भ शिशु संस्कार' विषयक कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को तेरापंथ भवन में किया गया।

अध्यक्ष संगीता तातेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित ऑनलाइन कार्यशालाओं से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता उपासिका शशिकला नाहर का परिचय संगठन मंत्री ज्योति डागा ने दिया।

शशिकला नाहर ने कहा कि गर्भावस्था में भी बच्चे को संस्कार दिए जा सकते हैं। उन्होंने यह समझाया कि गर्भवती स्त्री को इस अवस्था में कैसे चलना, कैसे बोलना, क्या खाना और क्या नहीं खाना चाहिए। कार्यशाला में पूर्व अध्यक्ष रेखा पोरवाड़, मंजू दक, कांता धोका, सरोज दुग्गड़ और वर्तमान अध्यक्ष संगीता तातेड़ आदि उपस्थित थीं। ज्ञानशाला में ऑल इंडिया विशिष्ट प्रशिक्षिका के रूप में सम्मानित मंजू दक व मुख्य वक्ता शशिकला नाहर का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री मीनाक्षी बोथरा ने किया। उपाध्यक्ष लाजवंती कात्रेला ने धन्यवाद दिया।

राजराजेश्वरीनगर में 'तप अभिनंदन कार्यक्रम' एवं शक्ति सलोनी का 'काव्यपाठ' हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन राजराजेश्वरीनगर में शनिवार को कवयित्री शक्ति सलोनी का काव्य पाठ एवं दो तपस्वी कन्याओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ-कुछ विशेष क्षमताएं होती हैं। सतपुरुषार्थ द्वारा उन क्षमताओं को परख कर उनमें निष्णात बना जा सकता है। कवित्व शक्ति का संबंध हमारी सृजन क्षमता से जुड़ा है। कवयित्री शक्ति सलोनी की कविताओं में क्रांति और वीर रस का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। बिना देखे धाराप्रवाह समसामयिक विषयों को आध्यात्म के साथ काव्य प्रस्तुत करना वास्तव में बेजोड़ कला है।

साध्वीश्री ने ज्ञानशाला की दो दस वर्षीय नन्ही बालाओं के बियासन तप की अनुमोदना करते हुए कहा कि चहल कटारिया के 101 बियासन तथा जेसल मांडोत के 52 दिन के बियासन की तपस्या संपन्नता की ओर गतिमान हैं। छोटी-छोटी कन्याओं ने प्रबल मनोबल और हिम्मत का परिचय दिया है।

इस तपस्या के क्षेत्र में ये आगे बढ़ें और नया कीर्तिमान जोड़ें। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर ने किया तथा सुरेश दक ने धन्यवाद दिया ।

मैसूरु में गैस गीजर से एलपीजी रिसाव होने से दो बहनों की मौत

मैसूरु/बेंगलूरु। कर्नाटक के मैसुरू में शनिवार सुबह एक गैस गीजर से एलपीजी रिसाव होने से दो बहनों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के मुताबिक, गुलफाम (23) और उसकी बहन सिमरन ताज (20) की बाथरूम में एलपीजी गैस के सम्पर्क में आने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गीजर से गैस तो निकली लेकिन उसमें आग नहीं लगी। पुलिस ने बताया कि जब लड़कियां काफी देर तक स्नानघर से बाहर नहीं आईं, तो उनके पिता अल्ताफ को संदेह हुआ और उन्होंने जबरदस्ती दरवाजा खोला तो दोनों बेटियां बेहोश पड़ी मिलीं। पुलिस ने बताया कि लड़कियों के पिता अपनी दोनों बेटियों को परिवार के दूसरे लोगों के साथ तत्काल अस्पताल ले गए, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि एक अलग घटना में, शनिवार सुबह बेंगलूरु के केआर पुरम में रसोई गैस सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह घटना बेंगलूरु के त्रिवेणी नगर में हुई। पुलिस ने बताया कि धमाके की वजह से इमारत गिर गई, जबकि आस-पास के कुछ मकानों को भी नुकसान पहुंचा है।

धर्मस्थल सामूहिक दफन मामले में एसआईटी ने तीन कार्यकर्ताओं को तलब किया

मंगलूरु। कर्नाटक के धर्मस्थल कस्बे में कई शवों को दफनाने के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी ने तीन कार्यकर्ताओं महेश शेट्टी थिमारोडी, टी जयंत और गिरीश मट्टनवर को समन जारी कर सोमवार को पेश होने को कहा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि समन का पालन न करने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किये जा सकते हैं, क्योंकि जांच संभावित झूठी गवाही और साक्ष्यों से छेड़छाड़ की दिशा में गहराई से आगे बढ़ रही है।

विशेष जांच दल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जांच निर्णायक चरण में पहुंच गई है और पूरी होने वाली है। यह मामला अगस्त 2025 में शुरू हुआ जब 1995 से 2014 तक मंदिर में सफाई कर्मचारी रहे चिन्नैया ने शिकायत दर्ज कराई कि 2002 से 2014 के बीच मंदिर परिसर में 200 से ज्यादा अज्ञात शवों को गुप्त रूप से दफनाया गया।

निरीक्षण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में नवनिर्मित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निरीक्षण करते हुए।

सात साल की बच्ची की हत्या के आरोप में सौतेले पिता पर मामला दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सात साल की एक बच्ची की उसके सौतेले पिता ने अपने घर पर कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम को हुई जब बच्ची की मां काम पर गई हुई थी।

पुलिस के अनुसार, घर लौटने पर महिला ने अपनी बेटी सिरी को मृत पाया और इसको लेकर उसे अपने पति दर्शन पर संदेह हुआ, जो घटना के बाद से फरार है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर कुंबलगुडू पुलिस थाने में दर्शन के खिलाफ हत्या का एक मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दर्शन ने बच्ची की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, बच्ची की मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**